केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 181 रविवार 21 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दुग्धेश्वर मंदिर पर चला स्वच्छता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
कुदरहा (बस्ती) 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मदिर में नूतन विग्रह प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तहत कुदरहा विकास क्षेत्र के छरदही गांव में दुग्धेश्वर नाथ शिव मंदिर में शनिवार को ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने स्वच्छता अभियान के तहत मंदिर में विशेष साफ–सफाई की। साथ ही साथ ग्रामीणों ने भी अभियान में सहभागिता निभाई।

ग्राम प्रधान रमेश चौधरी, संजय पांडेय, गोरखनाथ यादव, ओमकार चौधरी, पंकज पांडे, प्रकाश यादव, बिजली गिरी, बंटी दूबे, गंगाराम दूबे, मेहदी हसन सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

गांवों में रात्रि विश्राम करेंगे भाजपा नेता व कार्यकर्ता–– विवेकानन्द मिश्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुकी है। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों को जीतने के लिए पार्टी ने गांव चलो अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

गांव चलो अभियान के जिला संयोजक अमृत कुमार वर्मा ने बताया कि पार्टी के बड़े नेता से लेकर छोटे नेता और कार्यकर्ताओं को ग्रामीण क्षेत्रों में न केवल जाने के लिए कहा गया है, बल्कि उन्हें रात्रि विश्राम भी उस गांव में करना है। गांव चलो अभियान के दौरान भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता केंद्र की मोदी सरकार के 9 सालों की उपलब्धि के बारे में जनता को अवगत कराएंगे। आंकड़ों के मुताबिक बस्ती जनपद में कुल 1285 गांव हैं। इन गांवों में भ्रमण करने के लिए बीजेपी ने विस्तृत कार्ययोजना बनाई है।

बीजेपी के इस कार्यक्रम पर जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में दौरा करने के क्रम में पार्टी द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा।

लोक अदालत 22 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना के निर्देशानुसार आगामी 22, 23 एवं 24 जनवरी को एन०आई०एक्ट० की धारा–138 से संबंधित लम्बित वादों के निस्तारण वास्ते एवं दिनांक 29, 30 एवं 31 जनवरी 2023 को विद्युत अधिनियम, 2003 के अन्तर्गत लम्बित शमनीय दाण्डिक वादों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय में किया जाना है। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रजनीश कुमार मिश्र ने बताया है कि उक्त दिवसों को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत में सभी वादकारियों से अपेक्षा है कि वे उत्तम अवसर का लाभ उठाएं एवं अपने मामलों को निस्तारित कराए।

श्री अन्न के लिये रोड शो

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । सांसद हरीश द्विवेदी ने ''उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरूद्धार कार्यक्रम'' योजनान्तर्गत आयोजित एक विशाल रोड शो (रैली) को कलेक्ट्रेट सभागार से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कृषि भवन जाकर समाप्त हुयी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि मोटे अनाज (श्रीअन्न) जैसे–ज्वार, बाजरा, रागी (मडुवा), सांवा, कोदो के उपयोग करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य में बृद्धि होती है तथा परम्परागत फसलों की अपेक्षा मोटे अनाज में पोषक तत्व ज्यादा होते हैं।

नये मंदिर में विराजे श्रीरामलला

संवाददाता– अयोध्या। 31 सालों तक टेंट व अस्थायी मंदिर में रहने के बाद शनिवार को रामलला नए मंदिर में पहुंच गए। अस्थाई मंदिर में विराजमान रामलला को सुबह पहले वैदिक मंत्रों से जगाया गया फिर नए मंदिर में पूजन स्थल पर लाकर विराजित किया गया। विराजमान रामलला जब नए मंदिर में पहुंचे तो उनका भव्य अभिनंदन हुआ। पहले उनकी विधिविधान पूर्वक पूजा की गई फिर पालकी पर सवार कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। विराजमान रामलला ने नए मंदिर की परिक्रमा की। इस दौरान पूरा मंदिर वेदमंत्रों से गूंजता रहा।

अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा उल्लास हर ओर छाया है। काशी में दिवाली सरीखे इस उत्सव की तैयारी पूरे उत्साह के साथ चल रही है। देवालय दीपों से जगमग होंगे और रामभक्ति की बयार बहेगी।

आयोजनों के लिए मठ–मंदिर सज–धज रहे हैं। बाबा विश्वनाथ धाम में 25 हजार दीप जलेंगे तो मां अन्नपूर्णा मंदिर में 11 हजार दीप और 200 बटुक सुंदरकांड का सामूहिक पाठ करेंगे।

शनिवार को रामनगरी पहुंचने वाले अतिथियों में मुख्य रूप से ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद, मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, साध्वी ऋतंभरा, योग गुरु बाबा रामदेव, बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री और युग पुरुष परमानंद शामिल हैं। इसी तरह विभिन्न अखाड़ों के महंत और पंचों के साथ बड़ी संख्या में आमंत्रित अन्य धर्माचार्यों के आने का सिलसिला जारी है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर रामनगरी का सुरक्षा घेरा सख्त किया गया है। शनिवार की रात से ही जिले समेत अयोध्या धाम की सीमाएं सील कर दी गई हैं। अयोध्या धाम को जाने वाले मार्गों उदया चौराहा, साकेत पेट्रोल पंप, रानोपाली, टेढ़ी बाजार, मोहबरा, बूथ नंबर चार, बालूघाट, नयाघाट, रेलवे स्टेशन आदि पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त रहेगी। यहां सिविल पुलिस के अलावा अर्ध सैनिक बलों के जवान भी तैनात किए गए हैं। किसी को भी यहां से वाहन लेकर अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी।

श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए देशभर से कोई न कोई सामग्री अयोध्या धाम भेजी जा रही है। शनिवार को कारसेवकपुरम में अलीगढ़ से 400 किलो का ताला और 30 किलो की चाबी भेजी गई।अलीगढ़ में ज्वालापुरी की गली नंबर पांच निवासी ताला कारीगर सत्यप्रकाश शर्मा और उनकी पत्नी रुकमणी शर्मा ने 400 किलोग्राम के ताले को तैयार किया। इसकी लंबाई छह फीट दो इंच और चौड़ाई दो फीट साढ़े नौ इंच है।

अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने के निर्देश, अधिशासी अभियन्ता का वेतन रोकने का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जनपद में कुल 199 परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, जिसमें से 109 पूर्ण हो गई है, शेष परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सीएम–डैशबोर्ड के अनुसार निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए उन्होने पाया कि इसमें कई सूचनाए गलत दर्ज है। उन्होने निर्देश दिया कि उसको तत्काल सही करायें।

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यो में शिथिलता पाये जाने पर उ0प्र0 पुलिस आवास निगम लि0 के अधिशासी अभियन्ता का वेतन रोकते हुए उनके विरूद्ध डीओ लेटर भेजने का निर्देश दिया। उन्होने निर्देश दिया है कि बैठक में अनुपस्थित भारत सरकार के एनपीसीसी कार्यदायी संस्था के परियोजना प्रबंधक के विरूद्ध कार्यवाही हेतु डीओ लेटर भेजें। उन्होने जलनिगम के शहरी तथा ग्रामीण सभी परियोजनाओं का अधिकारियों की टीम लगाकर जॉच कराने का निर्देश दिया है। उन्होने कहा कि टीम में एक मजिस्ट्रेट तथा एक अभियन्ता रहेंगे। इसी प्रकार उन्होने नलकूप विभाग के कार्यो की जॉच के लिए सीडीओ को निर्देशित किया है।

बैठक का संचालन अर्थ एवं संख्याधिकारी ईशा शर्मा ने किया। इसमें सीडीओ जयदेव सीएस, सीएमओ रमाशंकर दुबे, डीडीओ संयज शर्मा, पीडी राजेश झा, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप तिवारी, सीबीओ डा. अमर सिंह, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी केशवलाल तथा अवधेश कुमार, सिंचाई के राकेश कुमार गौतम, विद्युत के महेन्द्र मिश्र तथा मनोज सिंह, बाढ के दिनेश कुमार तथा कार्यदायी संस्थाओ के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

कुष्ठ आश्रम में जरूरतमंदों में किया कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर, इन्टरैक्ट क्लब और श्री एम. डी. गोयनका फाऊन्डेशन द्वारा हथियागढ़ कुष्ठ आश्रम में जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण किया गया। अपर जिला जज एवं विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रजनीश मिश्र ने कम्बल वितरित करते हुये कहा कि यह पुनीत कार्य है। उन्होने कहा कि यदि किसी कुष्ठ रोगी या उसके परिजन को कानून सलाह की जरूरत हो तो उसे निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा।

रोटेरियन एवं होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी0.के. वर्मा ने कहा कि समाज के समृद्ध वर्ग के लोग यदि थोड़ी पहल करें तो जरूरतमंदों का कल्याण संभव है।

कार्यक्रम में लगभग 40 जरूरतमंदों में कम्बल और खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। कम्बल वितरण में रोटरी क्लब बस्ती ग्रेट अध्यक्ष प्रतिभा गोयल, राम दयाल चौधरी, अशोक कुमार शुक्ला, किशन कुमार गोयल, डा श्याम नरायण चौधरी, सुमिर गोयल, शौर्य गोयल रोटेरियन सचिन आहूजा के साथ ही कौशल कुमार त्रिपाठी, रामदास यादव, अनिल यादव के साथ ही कुष्ठ आश्रम से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट वीडियो प्रस्तुतिकरण में शिक्षिका अनुसरना सिंह अव्वल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में शनिवार को जनपद के सभी विकासखण्डों से शिक्षकों ने शैक्षिक डिजिटल कंटेंट विकास प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। जिसमें बस्ती सदर की शिक्षिका अनुसरना सिंह प्रथम, कप्तानगंज के हरेंद्र यादव द्वितीय तथा रामनगर की शिक्षिका निहारिका सिंह और परशुरामपुर के शिक्षक अनूप द्विवेदी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। विजेता प्रतिभागियों के साथ ही सभी शिक्षकों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने अपने उद्बोधन में उत्कृष्ट शैक्षिक कंटेंट के माध्यम से बच्चों के शैक्षिक विकास को नया आयाम प्रदान करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट शैक्षिक कंटेंट बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। नोडल प्रवक्ता वर्षा पटेल ने बताया कि डायट स्तर पर उत्कृष्ट शैक्षिक वीडियो का एक पूल तैयार किया जा रहा है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रवक्ता डॉ रविनाथ त्रिपाठी, अलीउद्दीन खान, सरिता चौधरी शामिल रहे।

डॉ गोविंद प्रसाद, वंदना चौधरी, अजय प्रकाश मौर्य, शशि दर्शन त्रिपाठी, कल्याण पाण्डेय, अमन सेन, मोहम्मद इमरान खान, कुलदीप चौधरी ने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वन में योगदान दिया।

डीएम के साथ बैठक में अधिवक्ताओं ने उठाये विधि के व्यवहारिक मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । 1 वर्ष से कम समय सीमा के बहस में लगे मुकदमों पर डेट लगाने में उदार दृष्टिकोण अपनाने के लिए जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने सभी पीठासीन अधिकारियों को निर्देशित किया है। शुक्रवार की सायं कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सभी मजिस्ट्रेट/पीठासीन अधिकारियों तथा सभी बार के अध्यक्ष एवं महामंत्री के साथ संयुक्त बैठक में जिलाधिकारी ने उक्त निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि 1 वर्ष से कम समय सीमा के बहस के मुकदमों में एक दिन के अंतराल पर तिथि लगाई जाएगी तथा एक वर्ष से पुराने लंबित मुकदमों में 3 से 5 दिन की तिथि लगाई जाएगी। यदि अधिवक्ता द्वारा अगले दिन की तिथि का मांग किया जाता है, तो अगले दिन की तिथि लगाई जाएगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि सभी पीठासीन अधिकारी अविवादित वाद पत्रावलियों का अतिशीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि निर्धारित समय के उपरान्त वाद पत्रावली लंबित पाए जाने की व्यक्तिगत जिम्मेदारी पीठासीन अधिकारी एवं पेशकार की होगी। बैठक में अधिवक्ताओ द्वारा न्यायालय कार्य के संचालन में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया तथा यह भी आश्वासन दिया गया कि 1 वर्ष से पुराने वाद पत्रावलियों के निस्तारण में अधिवक्ता गण मनोयोग से कार्य करेंगे।

बैठक में अधिवक्तागण द्वारा मुद्दे उठाये गये कि धारा 32, 38 एवं 24 की वाद पत्रावलियों को बिना दर्ज किए संबंधित न्यायालयों द्वारा रिपोर्ट के लिए भेज दिया जाता है, जिससे रिपोर्ट आने की समीक्षा नही हो पाती। वाद पत्रावलियों में मौका प्रार्थना पत्र देने पर न्यायालय के पीठासीन अधिकारियों द्वारा उसे वाद पत्रावली में नही रखा जाता। एक तिथि की पत्रावली में दुसरे दिन की तिथि लगा दी जाती है, जिससे अधिवक्ताओं को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है तथा मुकदमों में बहस की तैयारी नही हो पाती। अविवादित पत्रावलियों का निस्तारण संबंधित न्यायालयों द्वारा समय से नही किया जा रहा है, जिनका शीघ्र निस्तारण कराया जाय। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि किसी अधिवक्ता द्वारा वाद पत्रावली में मौका का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जाता है, तो संबंधित पीठासीन अधिकारी उसे पत्रावली में शामिल मिसिल करेंगे तथा प्रार्थना पत्र पर उचित आदेश पारित करेंगे। धारा 32, 38 एवं 24 के प्रस्तुत मुकदमों को वाद रजिस्टर में दर्ज करने के उपरांत ही आख्या के लिए भेजा जाएगा। समय से आख्या पत्रावली में दाखिल कराए जाने का उत्तरदायित्व संबंधित न्यायालय के पीठासीन अधिकारी का होगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी कमलेश चंद्र, सीआरओ ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, उप जिला अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा सिविल बार, जनपद बार, द यंग बार, कमिश्नर्स कोर्ट बार, एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं मंत्री उपस्थित रहे।

राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर हमला

नयी दिल्ली (आभा)। भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आसाम में तीसरा दिन था, इस दौरान कांग्रेस ने शनिवार को यह आरोप लगाया कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर हमला कर दिया। तोड़फोड़ और हमले का एक वीडियो भी जारी किया। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि जब भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम से गुजर रही थी तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने उसके पोस्टर और बैनर फाड़ दिए और लखीमपुर शहर में वाहनों से

तोड़फोड़ की। पार्टी ने 54 सेकंड का एक वीडियो जारी किया है जिसमें कथित तौर पर रात में एक कस्बे की सड़क दिखाई जा रही है और लोगों को 'जय श्री राम' चिल्लाते हुए सुना जा सकता है जबकि एक व्यक्ति हाथ में लाठी लिए हुए खंभों पर लगे पोस्टर फाड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। क्लिप में आगे एक अन्य व्यक्ति को राहुल गांधी और दो अन्य कांग्रेस नेताओं की तस्वीर वाले होर्डिंग को खींचते हुए दिखाया गया है। कांग्रेस की असम इकाई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने असम में हजारों उत्साही लोगों को आकर्षित किया है जिसने हिमंत बिस्वा सरमा शासन को बेचैन कर दिया है। राज्य के सीएम हिमंत बिस्वा ने गिरफ्तारी की धमकी देकर यात्रा को पटरी से उतारने की कोशिश की, अब वहीं उनके अनुयायी यात्रा से जुड़े पोस्टर और बैनर फाड़ रहे हैं।

श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साहः निकली पद यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। श्री अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम के प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हर तरफ उल्लास है। इसी कडी में शनिवार को शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज से भव्य पद यात्रा निकाली गई। पद यात्रा हनुमानगढी मंदिर तक पहुंची। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा महेश शुक्ला, वरिष्ठ नेता कृष्ण चन्द्र सिंह ने कहा कि देश के लिये यह बडा अवसर है जब श्रीराम लला अपने मंदिर में विराजे हैं। इससे लोक मंगल सिद्ध होगा।

पद यात्रा में पूर्व ब्लाक प्रमुख आसमान सिंह, बेचू सिंह, एपीएन पी.जालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अमन प्रताप सिंह, गोपाल यादव, शिवाजी सिंह, चन्द्रकेश सिंह , पंकज सिंह, ध्रुव चंद सिंह, प्रियांशु सिंह, संजय सिंह, जनार्दन सिंह, अमन चौधरी, अनुज प्रजापति, जितेंद्र पाल राजन पाल, अवनीश सिंह, चंदन सिंह, शक्ति, नीरज सिंह, गौरव सिंह, आशीष सिंह, अंकित सिंह, अंकित मिश्रा, ओम मिश्रा, वीरू सिंह, अतुल सिंह, शिवम सिंह, अवनीश सिंह ,अर्जुन चौधरी , डब्लू पाल, जय सिंह, सुशील उपाध्याय, अनमोल सिंह, अंकित मिश्रा, ओम मिश्रा, उदय यादव, चंद्र प्रकाश तिवारी, शिवम सिंह, आदित्य पाल, अवनीश सिंह, अर्जुन चौधरी, जय सिंह, सुशील उपाध्याय, अनमोल सिंह, अंकित मिश्रा, ओम मिश्रा, उदय यादव चंद्र प्रकाश तिवारी, शिवम सिंह आदित्य पाल के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

बीएसए से मिला शिक्षकों का प्रतिनिधि मण्डलः नव मनोनीत जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार का शिक्षकों ने किया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के साथ संघ के नव मनोनीत जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, रीता शुक्ला ने बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप तिवारी से मिलकर उनसे शिक्षकों के चयन वेतनमान, अन्तः जनपदीय स्थानान्तरण से आये शिक्षकों के वेतन भुगतान, निलम्बित शिक्षकों की बहाली, रोके गये वेतन के भुगतान के साथ ही अन्य समस्याओं के प्रभावी निस्तारण का आग्रह किया। शिक्षकों के प्रतिनिधि मण्डल ने कहा कि चयन वेतनमान, पदोन्नति का प्रभावी निस्तारण कराया जाय। बीएसए ने प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया कि समस्याओं का निस्तारण कराया जायेगा।

इसके पूर्व दुबौलिया बी.आर.सी. पर जिला संगठन के निर्देश पर आयोजित बैठक में संघ पदाधिकारियों और शिक्षकों ने जिला

वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर पेंशन बहाली संयुक्त मंच 'एन.जे.सी.ए.' राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर किये जा रहे आन्दोलनों में बढ चढकर हिस्सा लेने की रूप रेखा पर विचार किया गया। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार ने कहा कि फरवरी माह में महाहड़ताल संभावित है। इसमें शिक्षक पूरा जोर लगा देंगे। पेंशन शिक्षकों, कर्मचारियों के बुढापे की लाठी है। यह एकजुटता से ही हासिल होगा। बैठक में सदस्यता अभियान चलाकर संगठन के मजबूती पर जोर दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, संगठन मंत्री अवनीश तिवारी, व्लाक अध्यक्ष रामपाल वर्मा, मंत्री त्रिलोकीनाथ, विनय कुमार, सतीश कुमार भारती, अभिषेक वर्मा, प्रवीण कुमार, पारसनाथ, पंकज वर्मा, ज्ञानोदय कुमार पाण्डेय, अश्विनी कुमार, समीर विक्रम सिंह, आनन्द गौतम, जितेन्द्र बहादुर, सन्तोष, राजेश कुमार, लल्लनचंद त्रिपाठी, संदीप कुमार, राजेश, श्रवण कुमार के साथ ही अनेक संघ पदाधिकारी और शिक्षक उपस्थित रहे।

शिक्षकों की बैठक में उठे जमीनी मुद्दे अधिकारों के लिये संघर्ष पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की तहसील स्तरीय बैठक बीआरसी हर्रैया में जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली, ग्रेज्युटी, पदोन्नति, पारस्परिक स्थानान्तरण से आये शिक्षकों का वेतन जारी किये जाने, बाधित वेतन बहाल करने, बकाया वेतन निर्गत किये जाने, एन.पी.एस. की धनराशि समय से भेजने के साथ ही जनपदीय अधिवेशन में ब्लाक, तहसील शिक्षकों की भागीदारी, सदस्यता अभियान, डेलीगेशन सूची आदि की रूप रेखा पर विचार किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिये संघ निरन्तर संघर्षशील है। हर्रैया तहसील अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने संघ पदाधिकारियों का स्वागत करते हुये स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

संघ के जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराकर विद्यालय आवंटन हो जाना चाहिये। विभाग के शिथिलता के कारण अनावश्यक बिलम्ब हो रहा है। यदि शीघ्र शिक्षकों की समस्याओं का समाधान न हुआ तो संघ आन्दोलन को बाध्य होगा। इसका पूरा दायित्व विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों का होगा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवपूजन आर्य ने कहा कि एकजुटता और संघ की मजबूती से ही समस्याओं का हल निकलेगा। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि जनपदीय अधिवेशन की रूप रेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि डेलीगेशन सूची के बाद प्रदेश से अनुमति लेकर तिथि की घोषणा की जायेगी।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, सन्तोष पाण्डेय, संगठन मंत्री अश्विनी सिंह, वैभव मिश्र, रूकुनुद्दीन, प्रवीन श्रीवास्तव, आज्ञाराम वर्मा के साथ ही रंजन सिंह, अनिल ठाकरे, दिनेश सिंह, विनोद यादव, घनश्याम पाण्डेय, हरिओम यादव, गंगा प्रसाद, कमलेश यादव, विजय राव, आनन्द गौतम, विजय राव, विनय मिश्र, बद्री प्रसाद पाण्डेय, रामभवन मौर्य, सत्य प्रकाश कन्नौजिया, देवेन्द्र सिंह, अमित पाण्डेय, भारत भूषण यादव, कृष्णचन्द्र गौतम, मोहनलाल, राहुल, महेश कुमार, विजयसेन, राम सागर वर्मा, महेन्द्र वर्मा, राम पियारे, संजीव कुमार सिंह, चन्द्रशेखर कन्नौजिया, सतिराम वर्मा, जयचन्द्र यादव, छोटेलाल, चिन्मय प्रसाद, प्रभात रंजन, गोपाल दूबे, शोभाराम के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी और शिक्षक शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 जनवरी 2024 रविवार

सम्पादकीय

राजनीति और धर्म

भारत एक बहुआयामी सामाजिक और धार्मिक राज्य व्यवस्था है जिसमें आध्यात्मिक पहलू और भौतिकवाद की लालसा है। इस जटिल परिवेश में, कोई भी भारत के भविष्य के बारे में कभी भी आश्वस्त नहीं हो सकता। राजनीति और धार्मिक उत्साह आपस में मिल गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी खुद को राजनीतिक–धार्मिक जगतगुरु के रूप में स्थापित करने के लिए अपना राजनीतिक खेल खेल रहे हैं। वह अपने लक्ष्यों को हासिल करने में सफल होंगे या नहीं, इसकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है, लेकिन उनकी महत्वाकांक्षा स्पष्ट है क्योंकि वह 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राममंदिर का उद्घाटन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनसे अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह करने की भी उम्मीद है।

भाजपा इस समारोह को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में जोर–शोर से प्रचारित कर रही है। उस दिन अयोध्या में 2 लाख से अधिक लोगों के इकट्ठा होने की संभावना है। इस कार्यक्रम को देशभर में विश्व स्तर पर भारतीय दूतावासों में और न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में एक प्रायोजित स्क्रीन पर प्रदघ्शत किए जाने की भी उम्मीद है। यह समझ में आता है क्योंकि हिन्दू विश्व स्तर पर दिखाई देने वाला समुदाय है। मंदिर के लिए दान दुनिया का सबसे बड़ा दान होने का अनुमान है। निर्माण की देखरेख करने वाले ट्रस्ट की रिपोर्ट के अनुसार इसके 4 ट्रिलियन रुपए (48 मिलियन अमरीकी डॉलर) को पार करने की उम्मीद है।

नेपाल से फलों की टोकरियां और दुनिया की सबसे विशाल अगरबत्ती, जिसकी ऊंचाई 108 फुट है और जो 1470 किलोग्राम गाय के गोबर, 190 किलोग्राम घी और 420 किलोग्राम जड़ी–बूटियों से बनी है, सहित कई उपहार आ रहे हैं। द्वारिका (गुजरात), जोशी मठ (उत्तराखंड), पुरी (ओडिशा) और शृंगेरी (कर्नाटक) स्थित 4 हिन्दू मठों के शंकराचार्य राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल नहीं होंगे। माना जाता है कि ये मठ आठवीं शताब्दी के धार्मिक विद्वान और दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित किए गए थे, जो हिन्दू धर्म के भीतर आध्यात्मिक और धार्मिक नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हालांकि द्वारिका और शृंगेरी के शंकराचार्यों ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है लेकिन पुरी मठ के शंकराचार्य अपने निर्णय के बारे में मुखर रहे हैं। शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती ओडिशा के जगन्नाथपुरी में पूर्वाम्नाय गोवर्द्धन मठ पीठ के 145वें शंकराचार्य ने हाल ही में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने से इंकार कर दिया है। राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में उनकी आपत्ति का कारण उनका यह मानना है कि यह आयोजन राजनीतिक हो गया है। राम मंदिर उद्घाटन का निमंत्रण मिलने पर निश्चलानंद सरस्वती ने चिंता व्यक्त की कि यह समारोह एक राजनीतिक तमाशे में बदल गया है।

उन्होंने कहा, ''देश के प्रधानमंत्री गर्भगृह में रहेंगे, मूर्ति को छुएंगे और प्राण प्रतिष्ठा समारोह करेंगे। इसे राजनीतिक रूप दे दिया गया है। अगर भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा होती है तो शास्त्रों के रीति–रिवाजों से होनी चाहिए। मैं इसका विरोध नहीं करूंगा और न ही इसमें शामिल होऊंगा। मैंने अपना रुख अख्तियार कर लिया है। आइए आधे सच और आधे झूठ को न मिलाएं। हर चीज को शास्त्रीय ज्ञान के अनुरूप होना चाहिए।''

उत्तराखंड में ज्योति मठ पीठ की अध्यक्षता करने वाले शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने राम मंदिर समारोह में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। वह बताते हैं कि मंदिर का निर्माण सनातन धर्म की जीत का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। उनके अनुसार अयोध्या में पहले से ही एक राम मंदिर था और मंदिर का निर्माण धर्म के लिए कोई उपहार या विजय नहीं है। मंदिर निर्माण दशकों से एक विवादास्पद मुद्दा रहा है, जिसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व है जबकि कई हिन्दू इसे सांस्कृतिक और धार्मिक पुनरुत्थान के प्रतीक के रूप में देखते हैं। अन्य लोग बहिष्कार और विभाजन की संभावना के बारे में चिंता जताते हैं।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक वायदा है जिसे पूरा करने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी लेने को तैयार हैं। हालांकि मंदिर के रूप में देशभर में ''राम राज्य'' की प्राप्ति का अनुमान नहीं लगाया गया है। इसके बजाय इसका प्राथमिक परिणाम आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा की राजनीतिक जीत होने की उम्मीद है। द इकोनॉमिस्ट ने खुलासा किया है कि उत्तर प्रदेश में 2022 के मतदाताओं के सर्वेक्षण से पता चला है कि 74 प्रतिशत मतदाताओं ने मुद्रास्फीति और विकास को अत्यधिक महत्वपूर्ण मुद्दों के रूप में माना जबकि केवल 40 प्रतिशत ने राम मंदिर को समान महत्व दिया। यदि मोदी इन आर्थिक मुद्दों को निर्णायक रूप से संबोधित करते हैं तो उनके पास महत्वपूर्ण सफलता की संभावना है।

प्रतिरोध से सांस्कृतिक विरासत तक

—शंभूनाथ शुक्ल—

हरियाणा में कांग्रेस के कद्दावर नेता और राज्यसभा सदस्य दीपेन्द्र हुड्डा सोमवार 15 जनवरी को अचानक अयोध्या पहुंच गए। वहां उन्होंने सरयू नदी में स्नान किया और रामलला के दर्शन किए। उनके साथ पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस की केंद्रीय कमेटी की तरफ से नियुक्त उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने भी सरयू स्नान कर रामलला के दर्शन किए। बाद में प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत भी वहां पहुंचीं। हुड्डा ने कहा, भगवान राम उनकी आस्था के प्रतीक हैं और वे प्रदर्शन नहीं करते। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया की साइट एक्स में अपनी स्नान की तस्वीर भी डाली। दीपेन्द्र हुड्डा के अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करने से यह बात स्पष्ट हो गई है, कि भले कांग्रेस ने 22 जनवरी का आमंत्रण ठुकराया हो लेकिन पार्टी के भीतर भी कशमकश चल रही है। हिंदी प्रदेशों में रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा के उत्सव से लोगों में इस कध्दर जोश उमड़ा है, कि उसकी अनदेखी किसी के वश की बात नहीं।

22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा का समारोह आयोजित है। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। करीब 500 वर्ष बाद मर्यादा पुरुषोत्तम और हिंदू लोकमानस के भगवान राम उस जगह पर पुनः बिराजेंगे, जहां उनका जन्म हुआ था। 1527 ईस्वी में अयोध्या में रामलला के जन्म स्थान मंदिर को तोड़कर बाबर के सेनापति मीर बकी ने मस्जिद का निर्माण कराया था। यह मंदिर उसने बाबर के कहने पर तोड़ा था, और इस आशय का एक पत्थर भी वहां लगवा दिया था, इस वजह से इसे बाबरी मस्जिद कहा जाता था। इसके बाद से लगातार इस स्थान पर मंदिर बनवाने के लिए राम भक्तों का आग्रह रहा। पिछले 500 वर्षों में अनगिनत साधु– संत और रामभक्त यहां मारे गए। किंतु राम भक्तों का यह संघर्ष कभी बंद नहीं हुआ।

इस मंदिर को मुक्त करवाने के लिए विश्व हिंदू परिषद का योगदान सिर्फ यह रहा, कि उसने इस संघर्ष को सांगठनिक रूप दिया। उसने छिटपुट संघर्ष करने वाले राम भक्तों के लिए मंच तैयार किया और भाजपा ने देशव्यापी बनाकर इसे राजनीतिक स्वरूप प्रदान किया। हालांकि, बीच–बीच में यह आंदोलन हिंसक भी हुआ, और राम भक्तों पर गोलियां भी चलीं। कई रामभक्त मारे भी गये। लेकिन सत्ता द्वारा गोलियां बरसाने के चलते आंदोलन और तीव्र हुआ। अंततः राम मंदिर कार सेवकों के गुस्से के चलते 6 दिसंबर, 1992 को विवादित ढांचा ध्वस्त हो गया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सभी राजनीतिक दलों ने चुप्पी साधी।

राम मंदिर पर सुप्रीम फैसला आ जाने के बाद से यहां राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई और अंततः 22 जनवरी को मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा का कार्यक्रम तय हुआ है। इस दिन के लिए हजारों निमंत्रण पत्र बांटे गये हैं। निमंत्रण बांटने का जिम्मा राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने लिया। मंदिर के इस प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में राजनीतिक दलों के नेता तथा तमाम फिल्मी कलाकारों को न्योता देने से विवाद बढ़ा है। समारोह में वे तमाम लोग नहीं बुलाये गये जो राम मंदिर आंदोलन में जेल गये और बलिदान हुए। हालांकि जब पूरा देश राममय हो उठा हो तो वे सारे लोग मुंह से राम–राम जपने लगे हैं, जो कल तक राम मंदिर आंदोलन को कार सेवकों का उन्माद बता रहे थे।

बहुत सारे साधु–संत भी इस प्राण–प्रतिष्ठा का विरोध कर रहे हैं। इसका कारण एक तो उनको इसमें अपनी उपेक्षा प्रतीत हो रही है, दूसरे वे इस प्राण–प्रतिष्ठा की पद्धति से नाखुश हैं। राम मंदिर के लिए राजनीतिक आंदोलन शुरू करने वाले लालकृष्ण आडवाणी और उसकी ध्वजा थामने वाले मुरली मनोहर जोशी को निमंत्रण तो ट्रस्ट की तरफ से गया है। लेकिन उन्हें सलाह भी दी गई है, कि ठंड की वजह से ये नेता न पधारें। ऐसे कई कारण हैं, जिनसे विवाद पैदा हो गया है। हर नेता और हर साधु के अपने–अपने 'ईगो' हैं। लेकिन हर एक को इंतजार था, कि कांग्रेस इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है? क्या सोनिया गांधी इस समारोह में आएंगी अथवा नहीं। यह जानी–मानी बात है, कि अयोध्या में राम मंदिर का ताला खुलवाने की पहल तत्काल प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने की थी। लेकिन जब कांग्रेस को न्योता देने विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष गए, तब न्योता तो स्वीकार कर लिया गया परंतु जयराम रमेश ने कहा है, कि कांग्रेस इस मंदिर के प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाएगी, तब से कांग्रेस में बेचौनी भी खूब पनपी है।

7–8 अप्रैल, 1984 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में संतों ने एक धर्म संसद आयोजित की। इस धर्म संसद में प्रमुख वक्ता डॉ. कर्ण सिंह थे, जो कांग्रेस के प्रमुख नेता थे और उस समय केंद्र में इंदिरा गांधी की सरकार थी। एक फरवरी, 1986 को बाबरी मस्जिद में कध्द रामलला मंदिर का ताला खुला, यह बहुत बड़ी घटना थी। उस समय केंद्र में राजीव गांधी की और उत्तर प्रदेश में वीर बहादुर सिंह की सरकार थी। सबने इस पर मौन साधा। क्योंकि यह हर एक को पता था, कि यह पहल प्रधानमंत्री राजीव गांधी के इशारे पर हुई थी। फैजाबाद के जिला जज केएम पांडेय ने ताला खोलने का आदेश दिया था। मालूम हो कि यह ताला वहां 1949 से लगा था। यही नहीं, अयोध्या में राम मंदिर जन्म स्थान पर शिलान्यास 9 नवंबर, 1989 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी और प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सहमति से किया गया था।

इसके बाद से राम मंदिर आंदोलन पूर्णतया राजनीतिक हो गया और हर राजनीतिक पार्टी इसमें अपने–अपने फायदे ढूंढ़ने लगी। 25 सितंबर, 1990 को भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या के लिए रथयात्रा शुरू की थी। इसे 23 अक्तूबर को बिहार के मुख्यमंत्री लालू यादव के आदेश पर समस्तीपुर में रोक लिया गया और लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा ने केंद्र की विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। सरकार अल्पमत में आ गई।

उस समय उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी। 30 अक्तूबर से 2 नवंबर, 1990 के बीच कारसेवकों की तोड़–फोड़ रोकने के लिए पुलिस बल का प्रयोग हुआ। इसमें 40 कार सेवक मारे गए। इससे आंदोलन ने और तीव्र रूप ले लिया तथा पूरे देश में तीखी प्रतिक्रिया हुई। इसका भाजपा को लाभ मिला और 1991 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बन गई। कल्याण सिंह मुख्यमंत्री बने। उन्हीं के कार्यकाल में 6 दिसंबर, 1992 को विवादित ढांचे को उग्र भीड़ ने ध्वस्त कर दिया। केंद्र की नरसिंह राव सरकार भी बस देखती रही। एक तरह से कांग्रेस के अधिकांश नेता भी यह मानते थे कि बाबरी मस्जिद मूल रूप से राम जन्म स्थान ही है।

सबसे दिलचस्प प्रकरण अब शुरू हुआ है। वे राजनेता और बुद्धिजीवी तथा फिल्म व खेल सम्राट जो कल तक इसे भाजपा की हिंदू तुष्टीकरण नीति मान रहे थे और येन–केन–प्रकारेण विरोध कर रहे थे, भी अब प्राण–प्रतिष्ठा समारोह को राष्ट्रीय उत्सव बता रहे हैं। यहां तक कि वे राजनीतिक दल भी जो राम को एक काल्पनिक पात्र मानते हैं और सनातन हिंदू समाज को नष्ट करने की बातें करते रहे हैं। वे समझ रहे हैं कि इस समय देश का लोक मानस राम मंदिर के साथ है। ऐसे में राममूर्ति प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में न जाने से सारा क्रेडिट भाजपा को मिलेगा। फिल्म गीतकार जावेद अखघ्तर ने भी कहा है, कि हिंदू समाज बहुत उदार है और राम तो पूरे भारतीय समाज में मान्य हैं। जावेद अखघ्तर ने अजंता एलोरा समारोह में कहा है, कि प्राण–प्रतिष्ठा समारोह दुनिया का सबसे बड़ा समारोह है, इसलिए इस पर हंगामा करने का कोई अर्थ नहीं है। भगवान राम और सीता को उन्होंने न सिर्फ हिंदू देवी–देवता कहा बल्कि उन्हें संपूर्ण भारतीय समाज की सांस्कृतिक विरासत बताया। जावेद अखघ्तर के बयान से खुद को सेकुलर बताने वालों के मुंह धुआं हो गए हैं।

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अयोध्या– भारत के शक्ति तत्व की प्राण प्रतिष्ठा

—तरूण विजय—

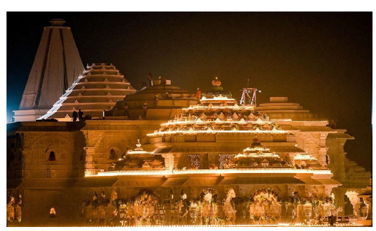

अयोध्या की उन गलियों से गुजरते हुए जहां इन आँखों ने नब्बे बयानबे में हिंदू नेताओं की हिंदू पुलिस द्वारा रक्तरंजित कारसेवक संहार देखा था आज भी सिहरन होती है, आँखें विस्फारित हो कर राम शरद कोठारी के चित्र देखती हैं उनके अधरों से निकले जय सिया राम के स्वर सुनायी देते हैं। मैं यहाँ आते ही मणिरामदास छावनी केप्रमुख, राम आंदोलन के महा सेनापति पूज्य महंत नृत्य गोपाल दास जी से मिला, आशीर्वाद लिया। वे पहचान गये। रामभद्राचार्य जी, पूज्य जयदेव राम जी, सालासर बालाजी के सिद्धेश्वर महाराज, सर्व कार्य प्रमुख चंपत राय, और संपूर्ण राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के महिमावान प्रमुख संत पूज्य गोविंद गिरि जी महाराज से तो रात्रि साढ़े दस बजे भेंट हुई। रात दिन काम और अविश्राम जीवन। राम जी की शक्ति है।

स्वामी गोविंद गिरि ने ठीक कहा– इस जन्मभूमि को लेने में हिंदुओं को पाँच सौ साल क्यों लगे ? क्योंकि हिंदू के मानस में राष्ट्र तथा धर्म का समन्वय नहीं था। शिवाजी के विरूद्ध औरंगजेब के लिये शिव भक्त मिर्जा राजा जय सिंह लड़े, शिवाजी के तेरह सगे संबंधी उनके विरुद्ध मुगल सेना में थे। गत सौ वर्षों में पहली बार विवेकानंद तथा डॉ हेडगेवार ने देश के साथ धर्म का चौतन्य जागृत किया तो राम मंदिर बना। अब काशी और मथुरा सहित अन्य भग्न काराबद्ध आक्रांत मंदिर वापस लिए बिना हिंदू रुकेगा नहीं।

अयोध्या का हर कण हर कोना सज गया है। रातों रात सड़के नयी बन गयीं, दुकानें चौड़ीं हो गयीं, दस दस फीट पीछे कर दीं, आश्रम मठ नये कलेवर नयी सज्जा, नये निर्माण से अलंकृत हो गये, अयोध्या महाराज का महल अयोध्याकालीन महल लगने लगा, राम जन्मभूमि पथ स्वर्गानुकूल भव्यता ले रहा है। सब कुछ स्वप्न वत। चिकोटी काटें तब विश्वास हो। हर कोने चौहारे पर आंध्र से लेकर पंजाब दुर्ग्यआणा मंदिर के मुफ्त चाय भोजन के 24 घंटा लंगर चल रहे हैं। हजारों स्त्री पुरुष गोद में बच्चे हाथों में कपड़ों कंबल के थैले लिये चले आ रहें हैं। राम लला से मिलने आयें हैं राम लला व्यवस्था करेंगे।

जिन लोगों ने, हिंदू तथा मुस्लिम दोनों ने राम जन्मभूमि का सत्य जानते हुये भी अंधा अपशब्दयुक्त विरोध किया उनको हिंदुओं से हाथ जोड़कर क्षमा याचना करनी चाहिए। उन्होंने अपने ही रक्त अपने पूर्वजों अपने देश अपने देवताओं अपनी संस्कृति के प्रवाह से विश्वासघात किया। अब स्मृति –जागृत भारत अपने मन और काया पर आघात नहीं सहेगा। स्मृति हर मनुष्य और राष्ट्र के जीवन हेतु अनिवार्य तत्व है। स्मृति हीन देश या व्यक्ति शून्य होता है, भविष्यविहीन और दिशाहीन। अयोध्या में मंदिर नहीं भारत राष्ट्र की स्मृति के जागरण द्वारा नवीन राष्ट्रीय अभ्युदय के शक्ति स्रोत की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है।

हर काल में हिंदू का राष्ट्र और धर्म के समन्वय से युक्त जागरण कठिन, प्रायः असंभव और जटिल रहा है। ढाई हजार मील दूर अनुल्लेखनीय कस्बे गजनी से एक लुटेरा महमूद प्रभास पाटन आता है, सर्वाधिक महत्वपूर्ण मंदिर तोड़ता है, इतनी बड़ी संख्या में हिंदू स्त्री पुरुष दास बनाकर ले जाता है कि बगदाद में गुलामों का मूल्य गिर गया, लूट का सामान अलग ले जाता है। मार्ग में सब हिंदू खड़े हुए?

सुहेलदेव अपवाद हैं। बाकी ? कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी का जय सोमनाथ उपन्यास पढ़ा है? उन्होंने उच्च ब्राह्मण कुलोत्पन्न शिव राशि के चरित्र का उल्लेख किया है जो गजनवी को हिंदू संघ की परमार राजाओं के नेतृत्व में खड़ी सेनाओं से बचाकर सोमनाथ मंदिर के भीतर ले आया था. जीती बाजी हिंदू हार गये।

चार सौ वर्ष गोवा पर क्रूर व अमानुषिक अत्याचारों के लिए कुख्यात पुर्तगालियों ने लगातार शासन किया। पणजी में आज भी एक हाथ कातरो खंभ है जहां उन हिन्दुओं के हाथ काटे जाते थे जिनके घर पर तुलसी का पवित्र पौधा पूजित होता था। उस भयानक काल से गुजर यदि आज हिंदू समाज धर्म और राष्ट्र से जुड़ा दिखता है तो यह आठवाँ आश्चर्य है– हिंदुओं के एक वर्ग या बड़े आचार्यों या हिंदू नामधारी सेकुलरों के हिंदू मंदिर विरोध में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। गजनवी से पुर्तगालियों तक उसका देश से विमुख धर्म से विमुख एक स्वार्थी भाव रहा है जिसे पिछली शताब्दी में लाल बाल पाल, विवेकानन्द, अरविंद, दयानंद , सावरकर ने बदला और डॉ हेडगेवार ने उसे एक सैन्य अनुशासन में ढालने का असाधारण अभूतपूर्व कार्य किया. वरना मंदिर की जगह हिंदू सेकुलर शौचालय बनवा रहे होते।

यह भारत की सुप्त विजिगीशु प्रवृत्ति, काल को परास्त करने वाली जिजीविषा और सामूहिक सांगठनिक शक्ति का ऐसा ऐतिहासिक प्रकटीकरण है जो धरातल पर आदि शंकर के बाद या राजनीतिक स्तर पर राज राज चोल, कृष्णदेवराय, उससे पूर्व विक्रमादित्य, अशोक, के बाद कभी संभव हुआ नहीं। दुर्बल, आत्म विस्मृत, समझौतावादी, यही पिछले सेकुलर युग में हिंदू की पहचान थी। उस छवि के टूटने और नवीन साहसी निर्भीक हिंदू के उदय से जन्मी वेदना भारत शत्रुओं को होना स्वाभाविक ही है। ध्यान रहे राम ने पश्चाताप विहीनरावण युग का अंत किया पररावण पर का कभी अपशब्दों से तिरस्कार नहीं किया, उसका सम्मान अंतिम संस्कार किया, उसके भाई विभीषण का राज्यारोहण करवाया, लंका को अयोध्या में सम्मिलित नहीं किया।

आज यही मर्यादा पुनरुज्जीवित होती दिखती है। संपूर्ण विश्व में भारत की प्राचीन गौरवशाली धरोहर के प्रति नवीन चौतन्य उभरा है। अनगिनत पुस्तकें भारत की विद्या, महापुरुषों की जीवनियों, प्राचीन नगरों , नदियों, तीर्थों, पर्यटन स्थलों, समुदायों यहाँ तक कि अरुणाचल– मणिपुर– मेघालय में प्राचीन राम कथाओं के पुनःस्मरण– प्रकाशन का रेला दिख रहा है। राम कथा के टेली सीरियल से लेकर राम मंदिर विरोधी नये नये शंकराचार्यों की अपने अपने उद्देश्यों हेतु पादवंदना करते, जातियों के गूढ़ मर्म व अर्थ ढूँढते दिखने लगे हैं। विश्व नवीन आर्थिक व सैन्य शक्ति युक्त भारत की ओर भिन्न एवं सम्मान भाव से देख रहा है। यह अचानक जादू से नहीं हुआ।

स्मृति जागरण पर्व उन अनाम अजान अचीन्हे संस्कृति वीरों महापुरुषों गुरुओं त्यागराज, चौतन्य महाप्रभु, रामानन्दाचार्य, आदि शंकर, गुरु गोविंद सिंह तेग बहादुर, बंदा बहादुर के संचित तप, बलिदानों, साधना, काले पानी की जेल में अनजान रह कर मर खप गये सेनानियों की सामूहिक अभीप्साओं का फल है।

आज चन्द्रायण से लेकर मंगल तक की यात्राओं का निर्धारण आस्थावान विश्व विश्रुत भारतीय वैज्ञानिक कर रहे हैं, खेल, चिकित्सा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कठिनतम क्षेत्रों को राजमार्गों से जोड़ता भारत, सिंधु सरस्वती सभ्यता के विराटतम आगार के रूप में विश्व के समक्ष स्वयं को प्रस्तुत करने लगा है। विश्व के संपन्नतम आधुनिकतम स्थानों में हिंदू संस्कृति और सभ्यता के उत्कर्ष को दर्शाते मंदिर सैंकड़ों एकड़ों में बन गये हैं जहां वे लोग आकर श्रद्धावनत और विस्मित हो रहें हैं जो कल तक हमारे अध्यात्म की, धरोहर की मजाक उड़ाते थे।

इन सब गतिविधियों में 18 से 30 वर्ष का हिंदुस्तानी है। वह भाजपा समर्थक नहीं भी होगा, संघ से सहमत नहीं भी होगा पर वह एक नये हिंदुस्तान का अन्वेषण कर रहा है, नवीनता का आविष्कार कर रहा है, अपनी जड़ों की पहचान और पश्चिमी औपनिवेशिक दंभ को करारा तीखा आहत करनेवाला उत्तर दे रहा है। न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध थिंक टैंक के निदेशक ने इस दृश्य को उद्धृत करके मुझसे कहा था– दिस इंडिया इस अनस्टॉपेबल नाउ– अब इस भारत को कोई रोक नहीं सकता। यह भारत श्री अरविंद की उस भविष्यवाणी को सत्य सिद्ध कर रहा है कि विश्व को मार्गदर्शन देने वाले शक्तिशाली समर्थ भारत का उदय अवश्यंभावी है। विवेकानंद ने इस स्मृति जागरण अश्वमेध यज्ञ का आरंभ 11 सितंबर 1893 को शिकागो में कर दिया था। कार सेवकों ने अपने रक्त की आहुति से अयोध्या को जगा कर बलिदानी ऊष्मा से भारत ज्योति जलायी और जो भी भारतीय जहां भी था उसके मानस में जो आत्मविश्वास आया वह अवर्णनीय और शब्दातीत है।

उच्च आदर्शों के लिए प्रेरित करते हैं श्रीराम

—आशीष वशिष्ठ—

श्रीराम के नाम के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम जुड़ा है, क्योंकि वह हमेशा मर्यादा का पालन करते रहे। वह एक श्रेष्ठ राजा, आदर्श बेटे, उच्च कोटि के शिष्य, आदर्श भाई और पति थे, जिन्हें युगांतर तक उनके इसी रूप में याद किया जाएगा। पूरा जीवन श्रीराम सत्य, धर्म, दया और मर्यादा के पथ पर चले। इसी कारण उनके राज को 'राम राज्य' कहा गया। हर कोई उम्मीद करता है कि 'बेटा हो तो राम जैसा', 'राजा हो तो राम जैसा', 'चरित्र हो तो राम जैसा'।

जन कल्याण की दृष्टि से रामराज्य एक आदर्श और संपूर्ण व्यवस्था के रूप में प्रसिद्ध हैं। महात्मा गांधी ने आधुनिक भारत के लिए ऐसी ही शासन व्यवस्था की कामना की थी, जो रामराज्य के अनुरूप हो। राम के चरित्र में राजशाही और लोकतंत्र का अनोखा संगम है। वे मतदान के द्वारा चुनकर राजा नहीं बने थे, लेकिन जनता की इच्छा को जाने बगैर वे कुछ करते भी नहीं थे। वे अपने स्वार्थों के लिए प्रजा की इच्छा की अवहेलना कभी नहीं करते थे। इसी आदर्श को ध्यान में रखकर राम ने प्राणों से प्यारी धर्मपत्नी सीता का परित्याग किया था, व्यक्तिगत कष्ट सहकर भी राजा का दायित्व निभाया था।

राम कुर्सी को लपकने के लिए कभी उतावले नहीं रहे, इसलिए कुर्सी की कमजोरियां उन्हें बांध नहीं पायीं। वे आश्वासन बेचते नहीं फिरते थे। जो कहते थे, करते थे। प्रजा ही नहीं, अपने परिवार का भी उन्होंने अखंड विश्वास प्राप्त किया था। वे सबके दिलों में गहरे बैठे हुए थे। मनमानी करने की उन्हें छूट थी, लेकिन वे राज्य नियमों की मर्यादा से हमेशा जुड़े रहे।

चौदह वर्ष का वनवास के बाद राम को सिंहासन मिल रहा था। लेकिन वे अधीर और असंयत नहीं हुए। उन्हें अपनी चिंता बहुत कम थी। सबसे पहले राम ने अपने सेवकों को आज्ञा दी कि वे जाकर सुग्रीव आदि मित्रों को स्नान कराएं। इसके बाद राम ने भरत को बुलाया और अपने हाथों से उसकी जटाओं को सुलझाया। सिंहासन मिलने के बाद केवल प्रजा ही नहीं, देवताओं आदि ने भी राम की स्तुति गायी। वेदों और शिवजी ने भी प्रभु की वंदना की। राम को इतना मान–सम्मान मिला, लेकिन वे इससे फूलकर अपने विवेक को नहीं खो बैठे। अपने कर्तव्य की याद उन्हें बनी रही। जैसे ही महादेव गये, प्रभु ने अवकाश पाकर पहला काम यह किया कि लंका से आये अपने मित्रों के लिए अच्छे आवास की व्यवस्था करायी। राजा के रूप में राम की यह प्रथम आज्ञा थी। जिन्हें केवल राम का भरोस है, उनकी देखभाल के लिए प्रभु सबसे पहले चिंतित हुए। प्रायरू कुर्सी पाते ही राजा अपने बारे में अधिक व्यग्र हो जाता है, उसे अपने लिए सुंदर निवास की चिंता होती है। लेकिन राम की वृत्ति अपने बारे में सोचने की नहीं थी।

राजा बनकर राम ने प्रजा की ओर ध्यान दिया और एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना की। सभी लोग अपनी मर्यादा में रहने लगे। मनुष्य, जीव–जन्तु और प्रकृति के बीच में राम ने समन्वय स्थापित किया। मनुष्य सदाचारी बनें, जीव–जन्तुओं ने अपनी पशुवृत्ति को संयत किया और प्रकृति सदा फलने–फूलने वाली बन गयी। समाज में दूषण न होने के कारण प्रकृति में प्रदूषण की समस्या भी नहीं थी। सभी का जीवन सहज और संयत था। कोई किसी से वैर नहीं करता। राम के प्रताप से सारी विषमताओं का अन्त हो गया है।

इन विषमताओं को समाप्त करने के लिए राम ने कोई जादू नहीं किया था। सहयोग, सलाह और समन्वय की नीति अपनाकर राम ने यह उपलब्धि पायी थी। सबको सम्मान देकर अपने लिए सम्मान प्राप्त किया था। वे सबके सहयोग से निर्णय लेने में विश्वास करते थे। वे समन्वय के पक्षधर थे, अपने किसी आचरण से अलगाव या भेद नहीं उत्पन्न करना चाहते थे।

नेपाल से अयोध्या आने वाले मेहमानों का सोनौली बार्डर पर भव्य स्वागत

संवाददाता–महराजगंज। अयोध्या में रामलला विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रित नेपाली मेहमानों के आने का सिलसिला शनिवार से शुरू हो गया नेपाल के भैरहवा एयरपोर्ट से उतरने के बाद अयोध्या के लिए निमंत्रित मेहमान इंडो–नेपाल बार्डर के अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश द्वार सोनौली पहुंचे। जहां नौतनवा विधायक ऋषि त्रिपाठी, एसडीएम मुकेश सिंह ने ढोल–नगाड़ा व पुष्पा वर्षा कर मेहमानों का स्वागत किया। माल्यार्पण किया गया। मेहमानों में शामिल पशुपति नाथ विकास कोष के सेक्रेटरी राजू खत्री विधायक ऋषि त्रिपाठी को रूद्राक्ष का माला भेंट किया। इसके बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से आए लोग वाहन से नेपाली मेहमानों को लेकर अयोध्या रवाना हुए।

नेपाल से अयोध्या में आमंत्रित 12 मेहमानों की सूची सोनौली बार्डर पर पहुंची थी। इसमें से पशुपतिनाथ विकास कोष के सेक्रेटरी राजू खत्री, पशुपतिनाथ विकास कोष के फार्मर सेक्रेटरी रमेश उत्प्रेती, विश्व हिन्दू परिष नेपाल के अध्यक्ष टीका पहारी, स्वामी लोकानंद, वीएचपी नेपाल के राष्ट्रीय सदस्य आचार्य विष्णु ग्यावाली, वीएचपी नेपाल के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी प्रहलाद रेग्मी भैरहवा एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद सोनौली बार्डर पहुंचे। अयोध्या आने वाले नेपाल के मेहमानों के स्वागत के लिए महराजगंज जिला प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किया था। मेहमानों के आते ही ढोल–नगाड़े बजने शुरू हो गए। भारतीय सीमा में आते ही पुष्प वर्षा से स्वागत किया। मेहमानों को माला भी पहनाया गया। स्वागत से नेपाल के मेहमान बेहद प्रसन्न दिखे। नौतनवा विधायक ऋषि त्रिपाठी व नौतनवा एसडीएम ने मेहमानों से कहा कि भारत की धरती पर आप सभी का स्वागत है। स्वागत समारोह के बाद सोनौली से मेहमान अयोध्या के लिए रवाना हुए। इस मौके पर तहसीलदार सौरभ श्रीवास्तव, सोनौली चौकी इंचार्ज अनघ कुमार, व्यापार मंडल के नेता सोनू साहू, विष्णु शर्मा, संजय बजिमय, रवि पारिक, किशोर जोशी, राजू गुप्त, नौतनवा के पूर्व चेयरमैन गुड्डू खान, शिवम त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

रोजगार स्थापित करने में कारगार होगा प्रशिक्षण –संदीप

संवाददाता–श्रावस्ती। सीमावर्ती गांवों में एसएसबी की ओर से विभिन्न कार्यक्रम चलाकर लोगों को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में एसएसबी की ओर से 15 दिवसीय व्यायसायिक प्रशिक्षण की शुरुआत की गई है। जिसमें किसानों को मशरूम, हल्दी व मोटा अनाज से रोजगार स्थापित करने की जानकारी दी जाएगी। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के सीमा चौकी हकीमपुरवा व ककरदरी में एसएसबी की ओर से शनिवार को मशरूम, हल्दी और मोटा अनाज का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। इस प्रशिषण की शुरुआत एसएसबी के महत्वपूर्ण कार्यक्रम नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत की गई है। जिसमें 60 ग्रामीणों को 15 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यवाहक कमांडेन्ट संदीप कुमार जेटली, भाजपा नेता रणवीर सिंह व ग्राम प्रधान राजकुमार की ओर से शनिवार को प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मशरूम, हल्दी और मोटा अनाज की खेती का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसे सीखकर वह खुद का व्यवसाय कर सकेंगे। कार्यवाहक कमान्डेंट ने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि व्यवसाय से जोड़कर उन्हें नई दिशा में आगे बढ़ने का एक सामर्थ्यपूर्ण माध्यम प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से नए और सुदृढ़ किसानों को तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। जिन्हें विभिन्न फसलों और उत्पादों के संबंध में विशेषज्ञता हासिल हो सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद मशरूम और हल्दी के बीजों का वितरण भी कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिससे कि आपको सबसे उत्तम बीज मिले ताकि आप अच्छी फसलें उगा सकें और अच्छा मुनाफा कमा सकें। इस मौके पर उपकमांडेन्ट निरुपेश कुमार, निरीक्षक मान बहादुर गुरुंग आदि मौजूद रहे।

कंठ से निकला हुआ शब्द आपके शिक्षा और संस्कार के परिचायक है –प्रभंजनानंद महाराज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सिद्ध पीठ सियाराम किला झुंकी घाट के प्रथम पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन स्वामी श्री मिथिला शरण महाराज छोटे सरकार के प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर वर्तमान पीठाधीश्वर महंत करुणानिधान शरण महाराज के दिशा निर्देशन में यज्ञ अनुष्ठान के साथ वृहद भंडारे का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें हजारों की संख्या में लोग प्रतिदिन प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं और सांध्य कालीन बेला में अंतरराष्ट्रीय ख्याति लब्ध सरस राम कथा वाचक स्वामी प्रभंजनानंद महाराज ने बताया कि आपके कंठ से निकला हुआ शब्द आपके शिक्षा और संस्कार के परिचायक है ।

परिश्रम धैर्य प्रतिष्ठा से किया काम कभी झुकने नहीं देता वैसे ही कंठ से निकला शब्द सोच के साथ निकाला तो कभी झुकने नहीं देगी ।

उन्होंने बताया कि जीवन में परिस्थिति चाहे कैसी भी हो हमेशा मुस्कुराते रहिए क्योंकि सुख–दुख दिन रात सदैव चलते हैं।धर्म आचरण से ही मनुष्य जीवन और पशु जीवन में अंतर देखा जा सकता है अन्यथा आहार निद्रा मैथुन भोग यह तो पशु और मनुष्य समान रूप से करते हैं। पछतावा अतीत नहीं बदल सकता और चिंता भविष्य नहीं बदल सकती इसलिए वर्तमान का आनंद लेना ही जीवन का सच्चा सुख है ।निंदा उन्हीं की होती है जो जिंदा होते हैं निंदा से घबरा कर अपने लक्ष्य को ना छोड़े क्योंकि लक्ष्य मिलते ही निंदा करने वालों की राय अक्सर बदल जाती है । अपनी उर्जा खुश रहने में ही खर्च कीजिए क्योंकि खुशी से ही आपकी इम्युनिटी बढ़ती है सुख व्यक्ति के अहंकार की परीक्षा लेता है जबकि दुख व्यक्ति के धैर्य की और दोनों परीक्षाओं में उत्तर व्यक्ति का जीवन ही सफल जीवन है कुछ समस्याएं हमारा इम्तिहान लेने नहीं बल्कि हमारे साथ जुड़े लोगों की पहचान करवाने आती है । अतः दुख से घबराएं नहीं,मानव जीवन में भौतिक साधनों से संपन्न व्यक्ति धनवान और भाग्यशाली नहीं होते भाग्यशाली वह है जिनके पास भोजन के साथ , भूख बिस्तर के साथ नींद, धन के साथ धर्म, और विशिष्टता के साथ शिष्टता हो। कथा की विश्राम बेला में प्रसाद वितरण किया गया और अतिथियों का सत्कार संत प्रहलाद दास ने किया।

श्रीराम जन्म भूमि शोभा यात्रा पर छतों से पुष्प वर्षा कर अगवानी

संवाददाता–बहराइच। श्री धाम अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में चल रही समारोह की श्रंखला में शनिवार को श्रीराम की झांकी की भव्य शोभायात्रा पर महिलाओं ने छत से जमकर पुष्प वर्षा की। शहर से सटे माधवपुरी के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज के छात्र छात्राओं ने विद्यालय के बैंड की धुन पर कदमताल करते हुए रामधुन कीर्तन के साथ शोभायात्रा निकाली। इस भव्य झांकी शोभा यात्रा में हजारों छात्र– छात्राओं की सहभागिता रही। वहीं रास्ते में कतारबद्ध स्वागत को खड़े श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर अगवानी की। शहर से सटे माधवपुरी के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज परिसर से शनिवार सुबह से ही छात्र–छात्राओं का एकत्रीकरण होने लगा। भव्य श्रीराम झांकी शोभायात्रा के शुभारंभ में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधक कमलेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि हमारे मन में भगवान राम आदिकाल से स्थापित हैं। आज भारतीय संस्कृति में भी भगवान राम के आदर्श स्थापित हो रहे हैं। यह सनातन और हिंदू धर्म के लिए गर्व का विषय है। विभाग प्रचारक डॉ. अवधेश ने कहा कि प्रभु सीताराम की अपार कृपा है। 500 वर्ष पूर्व हमारे पूर्वजों ने जो कल्पना की थी। आज वह साकार हो रहा है। सनातन संस्कृति की स्थापना हो रही है। पीढ़ियों ने प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण को बलिदान देते हुए संघर्ष किया। हम सौभाग्यशाली हैं कि अपनी आंखों के सामने प्रभु श्री राम मंदिर निर्माण होते हुए देख रहे हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य रवि कुमार शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जो संकल्प लिया गया था, वह आज पूर्ण हो रहा है। यदि ऐसा संगठन नहीं होता तो हमारे पूर्वजों ने प्रभु श्री राम के मंदिर निर्माण का जो संकल्प लिया था। वह पूर्ण नहीं होता। बालरूप श्रीराम के भव्य मन्दिर निर्माण सर्वसमाज की बहुत बड़ी भूमिका रही। हिन्दू सर्व समाज एकजुट होकर मन्दिर निर्माण के लिए सदियों संघर्ष किया था। वह संघर्ष आज मूर्तरूप में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस मन्दिर के आन्दोलन में सिख समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मन्दिर निर्माण में प्रथम शिला अनुसूचित जाति के कामेश्वर चौपाल ने रखी थी। राममंदिर के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग देने वाले राम कोठारी व शरद कोठारी के बलिदान को नमन करने का दिन है। संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य ने किया। शोभायात्रा विकास भवन, गुरू नानक चौराहा, छोटी बाजार, घंटाघर चौराहा,पीपल तिराहा होते हुए, परशुराम चौक, पानी टंकी चौराहा से होकर पुनः विद्यालय मे आकर समाप्त हुई। शोभा यात्रा का पूरे शहर में श्री राम भक्तों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

मां बनैलिया के शोभायात्रा में उमड़ी आस्था, लगे जयकारे

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे की विख्यात मां बनैलिया के 33वे स्थापना दिवस पर शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। शोभायात्रा में मां बनैलिया की झांकी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केन्द्र रही। भक्ति गीतों एवं मां के जयकारों और भजन–कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एव बच्चे काफी उत्साहित होकर शामिल हुए। शोभायात्रा मंदिर परिसर से निकलकर खनुआ, चौराहा, गांधी चौक होते हुए अस्पताल चौराहे से होकर हनुमान चौक स्टेशन चौराहा से वापस मंदिर परिसर में पहुंची। शोभायात्रा में आगे–आगे मां बनैलिया की झांकी और फिर उसके पीछे पीछे भगवान शिव पार्वती, राम सीता, नवदुर्गा की झांकी व बच्चों के मनमोहक नृत्य मनोहारी छटां बिखेर रहे थे। श्रद्धालु झूमते रहे। जगह–जगह पर युवा करतब दिखाते चल रहे थे। जगह–जगह लोग शोभायात्रा के स्वागत में खड़े रहे। शोभा यात्रा वापस मा बनैलिया मंदिर पहुंचकर

समापन हुआ। जहां मां के दरबार में आरती उतारी गई और भक्तों में प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। शोभायात्रा में मुख्य रूप से विधायक ऋषि त्रिपाठी, पूर्व विधायक कुंवर कौशल उर्फ मुन्ना सिंह, संतोष जायसवाल , सुधाकर जायसवाल, दयाराम जयसवाल , गौतम जोशी, धर्मात्मा जयसवाल, ज्वाला शुक्ला , रविंद्र राजा, अमित जयसवाल, उदय श्रीवास्तव, रिखी राम थापा, विंध्याचल अग्रहरी ,संतोष लोहिया, कृष्ण मुरारी जायसवाल, पुजारी जितेंद्र पांडेय,मनोज राना सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष भक्त शामिल रहे।

मां बनैलिया के शोभा यात्रा का श्रद्धालुओं ने जगह जगह स्टाल लगाकर प्रसाद वितरण कर स्वागत किया। स्टाल लगाने वालो मे प्रमुख रूप से नगरपालिका अध्यक्ष बृजेश मणि त्रिपाठी ,भाजपा नेता जितेंद्र जयसवाल की तरफ से स्टाल लगाकर लोगों में प्रसाद वितरण किए गए। कस्बे के जयहिंद चौराहा, अस्पताल तिराहा, हनुमान चौक, जयसवाल मोहल्ला,गांधी चौक आदि जगहों पर भी लोगों ने बड़ी संख्या में स्टाल लगाकर भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किए।

भगवान शिव साक्षात विश्वास के स्वरूप -पंडित अमन शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रघुवंश अभिराम अमृतमहोत्सव के चौथे भगवान शिव पार्वती विवाह कथा श्रवण करते हुए बाल व्यास पंडित अमन शास्त्री ने बताया कि भगवान शिव साक्षात विश्वास के स्वरूप है और माता पार्वती साक्षात श्रद्धा स्वरूप है, उन्होंने कहा जब गृहस्थ आश्रम में दांपत्य जीवन श्रद्धा विश्वास युक्त होगा पति में विश्वास और पत्नी में श्रद्धा का समागम होगा परिवार में कार्तिकेय जैसा पुरुषार्थवान एवं गणेश जी जैसा विवेकवान संतान की प्राप्त होगी । शिव पार्वती का विवाह मानव समाज में श्रद्धा व विश्वास का मिलन होता है कथा संयोजक स्वामी दिलीप दास त्यागी महाराज ने कार्यक्रम के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि हमारे कार्यक्रम नित्य 15000 शिवलिंगों का निर्माण पूजन एवं राम कथा नित्य प्रवाहमान है।कार्यक्रम के अध्यक्ष श्रीमहंत धर्मदास ने पधारे सभी श्रद्धालुओं को भक्तों को आशीर्वाद देते हुए कहा सभी लोग उत्साह के साथ रघुवंश अभिराम अमृत महोत्सव को सभी लोग धूमधाम से मनाए और दीपक जलाएं।

मां सरयू के तट पर प्रतिदिन 15000 शिवलिंगों का हो रहा अभिषेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट राजघाट पर प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा के समय रघुवंश अभिराम अमृत महोत्सव के चौथे दिन 15000 शिवलिंगों का पूजन किया गया प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव पर सवा लाख शिवलिंग पूजन का संकल्प चल रहा है जिसमें प्रतिदिन 15000 शिवलिंग का निर्माण किया जाता है वैदिक विद्वानों द्वारा पूजन कराया जाता है अभिषेक किया जाता है उसके बाद विसर्जन किया जाता है यह पूरा कार्यक्रम महंत धर्मदास की अध्यक्षता में रघुवंश संकल्प सेवा ट्रस्ट के संयोजक स्वामी दिलीप दास त्यागी महाराज के संयोजन में चल रहा है। अमृत महोत्सव के चौथे दिवस की बेला में स्वामी दिलीप दास महाराज ने भगवान शिव पार्वती विवाह कथा श्रवण करते हुए बाल व्यास पंडित अमन शास्त्री ने बताया कि भगवान शिव साक्षात विश्वास के स्वरूप है और माता पार्वती साक्षात श्रद्धा स्वरूप है, उन्होंने कहा जब गृहस्थ आश्रम में दांपत्य जीवन श्रद्धा विश्वास युक्त होगा पति में विश्वास और पत्नी में श्रद्धा का समागम होगा परिवार में कार्तिकेय जैसा पुरुषार्थवान एवं गणेश जी जैसा विवेकवान संतान की प्राप्त होगी । शिव पार्वती का विवाह मानव समाज में श्रद्धा व विश्वास का मिलन होता है।

अचानक समाधान दिवस में पहुंचे आयुक्त व डीआईजी, सुनी शिकायतें

संवाददाता–गोण्ड। स्थानीय तहसील में शनिवार को डीएम की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 81 शिकायतें मिली। संपूर्ण समाधान दिवस के बीच में ही अचानक आयुक्त एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक ने भी पहुंच कर लोगों की शिकायतें सुनी और निस्तारण की गुणवत्ता परखी, समय से निस्तारण का निर्देश दिया। तरबगंज ब्लाक के चंदीपुर में प्रधान प्रतिनिधि समीर सिंह ने लेखपाल और राजस्व निरीक्षक के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है कि मनरेगा योजना द्वारा सड़क की आधी मिट्टी पटाई हो चुकी है। बार–बार शिकायत के बावजूद चकमार्ग को अतिक्रमण मुक्त नहीं कराया जा रहा है। बडसडा निवासी शिव प्रसाद व बुधराम ने हरिजन आबादी की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की शिकायत की, रामापुर के नसरुद्दीन व इस्हाक ने शिकायत की है कि दो वर्ष से वृद्धा पेंशन नहीं मिल रही है। नगदही के माता प्रसाद की शिकायत है कि उसको मृतक दिखाकर लेखपाल ने विपक्षिगणों से मिलकर भूमि वरासत कर दी है। वजीरगंज विकासखंड के अशोकपुर खोखिया के प्रधान अतिउल्लाह ने शिकायत किया है कि पंचायत भवन पर दबंगों का अवैध कब्जा है। तरबगंज विकासखंड के चिवरहा ग्राम पंचायत के राजकिशोर सिंह ने हैंड पंप रिबोर करने की मांग की है। अधिवक्ताओं ने संयुक्त रूप से डीएम नेहा शर्मा से मिलकर तहसीलदार के विभिन्न अनियमिता और लापरवाही की शिकायत दर्ज कराई। अफसरों ने शिकायतों का निराकरण समय से करने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, एसडीएम भारत भार्गव,सीओ सर्किल की पुलिस समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। लेखपाल के देवर के रौब गांठने की शिकायत रू ब्लाक क्षेत्र के नरायनपुर लेखपाल पर गांव के लोगों ने कई आरोप लगाए हैं। गांव के दुखी, किस्मतअली, निजामुद्दीन, इलियाज समेत दर्जनों ग्रामीणों का आरोप है कि महिला लेखपाल की गांव में तैनाती है लेकिन वह गांव में कभी नहीं आती हैं। उन्हीं के देवर गांव में कभी–कभार आते हैं। उन्होंने गांव के दबंगो से मिलकर सार्वजनिक रास्ते की भूमि कब्जा करा दिया है। जिससे लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है। लेखपाल के स्थान पर उनके देवर लेखपाल बन रौब गालिब करते हैं। देवर ने आरोप को निराधार बताते हुए कहा कि वो लेखपाल उनकी भाभी हैं, वह उन्हीं के साथ उनकी मदद करते हैं।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता–श्रावस्ती। न्यायालय में विचाराधीन चल रहे हत्या के मामले में शनिवार को सजा सुनाई गई। न्यायालय ने मामले के आरोपित का दोषी करार दिया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 60 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया। गिलौला थाना क्षेत्र के मोहम्दापुर निवासी अर्जुन मिश्र पुत्र फौजदार मिश्र पर 12 साल पहले थाने में हत्या कर शव को तालाब में छिपा देने का आरोप लगा था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया। इसके बाद विवेचना पूरी कर पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। मामला न्यायालय में विचाराधीन चल रहा था। ऑपरेशन कनविक्शन के तहत एसपी की ओर से मिले निर्देश पर मॉनिटरिंग सेल व विशेष लोक अभियोजक, संयुक्त निदेशक अभियोजन तथा कोर्ट पैरोकार की ओर से मामले की पैरवी की गई। शनिवार को न्यायालय ने आरोपी अर्जुन मिश्रा को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 60 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया।

ठंड का बढ़ा सितम, घरों में दुबके लोग

संवाददाता–महराजगंज। कड़ाके की ठंड से अभी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। शनिवार को सुबह हवाओं के साथ कुहरा और दिन भर बादल छाए रहे। दिन का न्यूनतम तापमान छह तथा अधिकतम 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे लोग घरों में दुबके रहे। वहीं चौराहों पर लोग अलाव तापते दिखे। गर्म कपड़ों की दुकानों पर भीड़ उमड़ी रही। पश्चिमी विक्षोभ के कारण सर्दी ने और जोर पकड़ लिया है। सर्दी से ठिठुर रहे लोग अलाव व हीटर का सहारा ले रहे हैं। पांच दिन से धूप नहीं निकली है। शनिवार को न्यूनतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस लुढ़कने से ठिठुरन भरी ठंड ने लोगों को घरों में कैद रहने के लिए विवश कर दिया। शाम होते ही शहर और गांव की सड़कें भी सुनी हो जा रही हैं। पूरे दिन सर्दी बनी रहने से लोगों की दिनचर्या बिगड़ गई। बाजारों में सर्दी के चलते ग्राहक कम नजर आए। बाजार जहां देर से खुले, वहीं जल्दी बंद हो गईं। शाम ढलते ही सर्दी बढ़ गई। मौसम विशेषज्ञ कैलाश पांडेय का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से ठंड बढ़ गई है। अभी चार दिन शीतलहर से राहत मिलने की संभावना नहीं है।

दिन में होगा हवन पूजन व आरती और रात में होगा भव्य जागरण

संवाददाता–श्रावस्ती। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को भव्य रूप देने के लिए तैयारियां पूरी की जा रही हैं। गांव गांव कलश यात्रा निकाल कर लोगों से अपील की जा रही है। वहीं दिन में हवन पूजन व आरती का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही रात में मंदिरों में भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा।

जिले की चिन्हित मंदिरों में दिन में पूजा पाठ और शाम को आरती का भव्य आयोजन होगा। इसके साथ ही रात में जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय कलाकारों के साथ बाहर से भी कलाकारों को बुलाया गया है। मंदिर परिसरों में पंडाल लगा कर कहीं पर भंडारा तो कहीं पर प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को भव्य रूप देने की जिम्मेदारी स्थानीय पूजा समितियों को दिया गया है। जिसमें विशेष कर युवकों को शामिल किया गया है। युवाओं की टोली आस पास के लोगों को कार्यक्रम स्थल पर लाएंगे। कार्यक्रम स्थलों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। गांवों में उपेक्षित मंदिरों को भी दीपों से जगमग किया जाएगा। इसके लिए साफ सफाई का काम पूरा कर लिया गया है। ऐसे मंदिर जहां काफी अरसे से पूजा पाठ नहीं किया गया या फिर साफ सफाई नहीं हो रही है। उन मंदिरों को भी सजाया जाएगा। मंदिरों में पूजा पाठ के साथ ही आरती की जाएगी। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लक्ष्मनपुर क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान बैंड बाजों के साथ निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा में राम भक्त डीजे पर बज रहे भजनों पर जय श्री राम के जयकारे लगाते हुए नृत्य करते देखे गए। शोभा यात्रा का जगह–जगह पुष्प वर्षा करते हुए भव्य स्वागत किया गया। इसके लिए जगह–जगह पर स्वागत द्वार भी बनाए गए। शोभायात्रा से पूरा कस्बा राम मय हो गया। शोभायात्रा जोखवा बाजार से शुरू होकर लक्ष्मनपुर बाजार पहुंची। वहीं से दुर्गापुर केपी गांव स्थित खाकी दास बाबा कुट्टी पर पहुंची जहां पर समापन हुआ। इस दौरान जोखवा पुलिस चौकी प्रभारी जयवेन्द्र कुमार, लक्ष्मनपुर पुलिस चौकी प्रभारी राम सजीवन निषाद अपने टीम के साथ मौजूद रहे।

शिविर में 110 मरीजों का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता–बलरामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुरा प्रांगण में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएससी अधीक्षक डा. प्रणव कुमार पाण्डेय ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। शिविर में 110 मरीजों का निरूशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उचित परामर्श दिए गए।

शिविर में जनपद मुख्यालय से आए हुए मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. अशोक कुमार पटेल, साइक्याड्रिक नर्स दिलीप कुमार, एमएण्डई आफिसर नासिर खान, डेण्टल हाइजिनिष्ट डा. कुसुम ने मानसिक स्वास्थ्य शिविर में आए मरीजों का निःशुल्क उपचार कर उचित परामर्श दिया। शिविर में जनपद से आई डेन्टल हाइजिनिष्ट डा. कुसुम ने 110 मरीजों का परीक्षण कर इलाज किया। जिसमें दांत से ग्रसित 34 मरीज पाए गए। साथ ही गम्भीर मानसिक रोग ग्रसित के कुल 14 मरीज पाए गए एवं 45 मरीज सामान्य मानसिक विकार के मिले। शिविर में मौजूद सभी मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निरूशुल्क इलाज कर उचित सलाह दी गई। इस दौरान हरीश कुमार, मनोज कुमार, पंकज कुमार, राकेश कुमार, अजय, मनीष, पवन कुमार, राजेश, बनवारी, लल्लन आदि लोग मौजूद रहे।

विनम्रता और सीखने की ललक बनाएगी सफल अधिवक्ता -जिला जज

संवाददाता–गोण्डा। स्वामी विवेकानंद जयंती समारोह के अवसर पर बार एसोसिएशन सभागार में अधिवक्ता परिषद ने संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला जज प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने मां भारती के समझ दीप प्रज्वलित करके पुष्प करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया । जिला जज ने कहा कि जब कोई युवा अधिवक्ता विधि के क्षेत्र को अपने कैरियर के रूप में चुनता है तब वह जीवन भर सीखते रहने की मानसिकता के साथ ही इस क्षेत्र में आता है। उन्होंने कहा कि युवा अधिवक्ताओं को अपने सीनियर्स और बेंच का सम्मान करना चाहिए और सीनियर्स को भी चाहिए कि वे युवा अधिवक्ताओं का उचित मार्गदर्शन करते रहें। विनम्रता व सीखने की ललक ही एक सफल अधिवक्ता बनाएगी। उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ के अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता अमरनाथ मिश्रा ने कहा कि वकीलों को व्यवहार में विनम्रता और जीवनपर्यंत सीखने की ललक बनी रहनी चाहिए। अपने वरिष्ठों और न्यायपालिका का सम्मान करते हुए जो अधिवक्ता बिना किसी झिझक के नयी चीजें सीखते रहते हैं वे ही एक सफल अधिवक्ता के रूप में समाज में स्थापित हो सकते हैं। संरक्षक घनश्याम पांडेय ने अथितियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में अपर जिला जज डा. दीनानाथ, डा. अनामिका चौहान, मो. नियाज अहमद अंसारी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, महामंत्री चंद्रमणि तिवारी, सिविल बार के अध्यक्ष संगमलाल द्विवेदी, केके श्रीवास्तव, केके मिश्रा व शासकीय अधिवक्ता बसंत शुक्ला ने भी अपने विचार रखे। संचालन महामंत्री धनलाल तिवारी ने किया। अतिथियों का धन्यवाद जिला अध्यक्ष व प्रांतीय उपाध्यक्ष अरविंद ने किया।

जगतगुरु श्रीधराचार्य महाराज प्राण प्रतिष्ठा पर कर रहे हैं अनुष्ठान

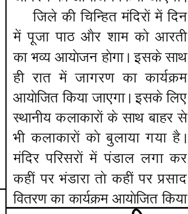

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रभु श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा के पावन महोत्सव में प्रसिद्ध पीठ श्री अशर्फी भवन में विविधा अनुष्ठान संचालित हैं शनिवार प्रातः काल अशर्फी भवन के आराध्य भगवान श्री लक्ष्मी नारायण का दिव्य अभिषेक श्रंगार एवं तुलसी कमल के पुष्प से अर्चन जगतगुरु श्रीधराचार्य महाराज द्वारा किया गया। महाराज जी ने कहा आज हम सभी को ऐसा लगता हैं जैसे हम कलयुग नहीं त्रेता युग में है क्योंकि धरती से लेकर अंबर तक राम ही राम सुनाई पड़ रहा है दिखाई पड़ रहा है हम सभी का बड़ा सौभाग्य है प्रभु अपने निज मंदिर में विराजमान हों रहे हैं इस भयंकर कलयुग मे प्रभु भक्ति ही उत्तम साधन हैं राम रक्षा स्तोत्र विष्णु सहस्त्रनाम पाठ श्री राम महायज्ञ मैं विशेष आहुतियां प्रदान की गई अशर्फी भवन पीठ की ओर से प्रातः काल से लेकर रात्रि पर्यंत भोजन भंडारे का आयोजन नित्य हों रहा है।

प्रभु श्रीराम के लिए खड़ाऊ लेकर पैदल अयोध्या रवाना हुए रमेश

संवाददाता–महराजगंज। लक्ष्मीपुर विकास खंड हथियागढ निवासी रमेश उर्फ राघव यादव भगवान प्रभू श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा में खड़ाऊ लेकर पैदल अयोध्या के लिए प्रस्थान किया। जहां जिला परिषद सदस्य रामसेवक जायसवाल, विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय मंत्री चन्द्रप्रकाश मिश्र व भाजपा नेता हरिकेश चंद्र पाठक ने फूल माला पहनाकर रवाना किया। मोहनापुर बोकवा मंदिर पर पुष्प वर्षा करूते हुए स्वागत किया। हथियागढ, लक्ष्मीपुर, पैसिया ललाईनय मोहनापुर, बोकवा,देवपुर, गजपती, पुरंन्दरपुर में स्वागत कर राम नगरी के लिए विदा किया। राम प्रेम से अभिभूत राघव यादव हाथ में थाल में सांकेतिक राम का सांकेतिक पगचिन्ह लेकर सेवक वनकर रामलला के दर्शन के लिए निकल पड़े।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए विशिष्ट अतिथियों का आगमन शुरू

संवाददाता–अयोध्या। सरयू किनारे स्थित अयोध्या नगरी में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए विशिष्ट अतिथियों का आगमन शुरू हो गया है। शनिवार को कई मेहमान रामनगरी पहुंच गए हैं। हालांकि आमंत्रितजन बड़ी संख्या में रविवार को पहुंचेंगे। कई वीवीआईपी ऐसे भी होंगे जो सीधे 22 जनवरी को ही विमान से आएंगे। वह उसी दिन लौट भी जाएंगे। यहां रात्रि प्रवास करने वाले मेहमानों को होटल, टेंट सिटी और आश्रमों में तैयार किए गए विशेष कक्षों में ठहराया जा रहा है। शनिवार को रामनगरी पहुंचने वाले अतिथियों में मुख्य रूप से ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद, मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, साध्वी ऋतंभरा, योग गुरु बाबा रामदेव, बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री और युग पुरुष परमानंद शामिल हैं। इसी तरह विभिन्न अखाड़ों के महंत और पंचों के साथ बड़ी संख्या में आमंत्रित अन्य धर्माचार्यों के आने का सिलसिला जारी है।

इन सभी के लिए रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से अलग–अलग टेंट सिटी और आश्रमों में ठहरने के इंतजाम किए गए हैं। कुछ विशिष्ट संत निर्मोही अखाड़े में प्रवास कर रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई शीर्ष पदाधिकारी पहुंच गए हैं। शनिवार को यहां आने वालों में सर कार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख रामलाल और पूर्व सर कार्यवाह भैया जी जोशी प्रमुख हैं। सर संघ चालक मोहन भागवत रविवार को अयोध्या पहुंचेंगे। उनके साथ आरएसएस के कई अन्य केंद्रीय पदाधिकारी भी समारोह के एक दिन पहले ही आएंगे। सर संघ चालक समेत अन्य सभी शीर्ष नेता 22 जनवरी तक यहीं रुकेंगे। यह सभी लोग समारोह में भाग लेने के बाद वापस लौटेंगे।

राम की पैड़ी में शास्त्रीय नृत्य कथक का आयोजन, नृत्यांगना रंजना नैब और उनके साथियों ने दी प्रस्तुति

संवाददाता–अयोध्या। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में इन दिनों चहुंओर उल्लास व्याप्त है। 22 जवनरी को श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इससे पहले यहां पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को कलाकारों द्वारा शास्त्रीय नृत्य कथक की प्रस्तुति दी गई। कथक की प्रस्तुति वैष्णवी नृत्यालय की निर्देशिका अंतरराष्ट्रीय कथक नृत्यांगना रंजना नैब और उनके साथी कलाकारों ने दी। इसमें कलाकार खुशी नैब, प्रिंसी प्रजेश, तेजस्वी प्रजेश, अक्रशा, उतरा, झिलमिल, रिचा, ज्योत्सना, गरिमा शामिल रहे। यह कार्यक्रम श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा में संस्कृति मंत्रयालय भारत सरकार एवं संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम रामोत्सव के मुख्य मंच राम की पैड़ी पर हुआ। इसमें रंजना नैब को मुख्यतः विश्व प्रसिद्ध नृत्यमयी रामायण की प्रस्तुति के लिए चयनित किया गया। रंजना नैब, यूपी के सहारनपुर जिले की रहने वाली हैं। विश्वभर के कलाकारों में सहारनपुर की इस बेटी ने प्रस्तुति का नेतृत्व किया। सरयू नदी के तट पर बने विशाल राम की पैड़ी मंच पर प्रस्तुति हुई। प्रथम प्रस्तुति के रूप में गणेश वंदना और राम स्तुति ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। श्हम कथा सुनाते राम सकल गुण धाम कीश गीत पर अद्भुत प्रस्तुति देखकर दर्शकों ने खड़े होकर इस अलौकिक प्रस्तुति का सम्मान किया। इस मौके पर रंजना नैब ने कहा कि इस गौरवशाली आयोजन का भागीदार होना गर्व और सम्मान की बात है। संगीत नाटक अकादमी के डॉयरेक्टर शोभित नाहर, डॉ. पवन तिवारी ने वैष्णवी ग्रुप की निर्देशिका रंजना नैब एवं टीम को अंग वस्त्र एवं प्रभु श्रीराम दरबार देकर सम्मानित किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए राकेश वीर, विधायक राजीव गुंबर, महापौर अजय सिंह, पंडित दीपक अग्निहोत्री, सुषमा बजाज, करुणा प्रकाश, बबीता मलिक, नीरा ने इस उपलब्धि के लिए रंजना नैब को बधाई दी। इस अतुलनीय उपलब्धि से सहारनपुर शहर में खुशी एवं जश्न का माहौल है।

सील हुई रामनगरी, बिना पास नहीं मिलेगा प्रवेश एसपीजी ने कब्जे में लिया आयोजन स्थल

संवाददाता–अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर रामनगरी सील हो चुकी है। सभी प्रवेश मार्गों पर सुरक्षा घेरा सख्त कर दिया गया है। यहां से बिना पास के किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री समेत अन्य अतिथियों के गुजरने वाले मार्ग पर बने मकानों का सत्यापन किया है। इनके छतों पर भी कार्यक्रम के दौरान सशस्त्र जवान मुस्तैद रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर रामनगरी का सुरक्षा घेरा सख्त किया गया है। शनिवार की रात से ही जिले समेत अयोध्या धाम की सीमाएं सील कर दी गई हैं। अयोध्या धाम को जाने वाले मार्गों उदया चौराहा, साकेत पेट्रोल पंप, रानोपाली, टेढ़ी बाजार, मोहबरा, बूथ नंबर चार, बालूघाट, नयाघाट, रेलवे स्टेशन आदि पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त रहेगी। यहां सिविल पुलिस के अलावा अर्ध सैनिक बलों के जवान भी तैनात किए गए हैं। किसी को भी यहां से वाहन लेकर अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। कार्यक्रम स्थल पर सिर्फ अतिथि, व्यवस्था से जुड़े लोग व सुरक्षाकर्मी ही रहेंगे। उदया चौराहा से लेकर लता मंगेश्कर चौक तक दोनों पटरियों पर बैरिकेडिंग की गई है। दुकानों को बंद करने के निर्देश तो नहीं हैं, लेकिन दुकानों के सामने भी बैरिकेडिंग की गई है, जिससे आवागमन बाधित रहेगा। गलियों से प्रवेश करने के मार्ग भी बंद कर दिए गए हैं। प्रत्येक 100 मीटर की दूरी पर सशस्त्र जवान तैनात किए गए हैं। साकेत महाविद्यालय से लेकर सरयू तट तक सड़क के दोनों तरफ बने मकानों में रहने वालों का सत्यापन किया गया है। बिना प्रशासन के अनुमति के यहां किसी को भी पनाह न देने के निर्देश हैं। ड्रोन कैमरों व अन्य तकनीक से इन मकानों में ठहरने वालों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व एसपीजी का एक और दल अयोध्या पहुंच गया है। अधिकारियों के साथ बैठक करके उन्होंने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था अपने कब्जे में ले ली है।

पांच स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था में शामिल सभी सुरक्षा एजेंसियों के जवानों की ब्रीफिंग करके दिशा–निर्देश दिए गए हैं। वीआईपी के ठहरने वाले स्थानों व होटलों पर भी सुरक्षा घेरा सख्त किया गया है। यहां भी किसी के आने–जाने व ठहरने को लेकर एजेंसियां सतर्क हैं। रविवार से रामनगरी में प्रवेश वर्जित होगा। शैलेंद्र गौतम, सीओ, अयोध्या ने कहा कि आवश्यक सेवाएं संचालित रहेंगी। सुरक्षा के मजबूत इंतजाम किए गए हैं। अयोध्या के लोग मेजबान हैं, इसलिए व्यवस्था में सहयोग करें। शहर में प्रवेश के लिए डायवर्जन प्लान जारी किया जाएगा।

अयोध्या की भव्यता के साथ बढ़ रहा धार्मिक किताबों का महत्व, स्टॉक खत्म

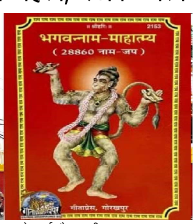

संवाददाता–गोरखपुर। अयोध्या में राम मंदिर में विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की घोषणा के बाद से लोगों के मन में गीता प्रेस की धार्मिक पुस्तकों का महत्व भी तेजी से बढ़ा है और उसी के साथ मांग भी। रामचरितमानस के साथ ही भगवन्नान महात्म्य पुस्तिका का स्टॉक खत्म हो गया है। गीता प्रेस प्रबंधन ने इन पुस्तकों का आर्डर लेना बंद कर दिया है। रामचरितमानस की छपाई नियमित हो रही है, लेकिन मांग के अनुरूप अब भी कम है। वहीं, भगवन्नान महात्म्य की दो लाख प्रतियां प्रकाशित करने की योजना है। इसकी छपाई अगले सप्ताह से शुरू हो जाएगी। गीता प्रेस प्रबंधन के मुताबिक, अक्तूबर से दिसंबर के बीच गीता प्रेस से श्रीरामचरितमानस की 3.27 लाख प्रतियां छपीं और सभी बिक चुकी हैं। इसमें सिर्फ दिसंबर महीने में 1.75 लाख श्रीरामचरितमानस की गुटका आकार की प्रतियों की डिमांड बिहार, राजस्थान से लेकर यूपी के विभिन्न जिलों से आई हैं, लेकिन गीता प्रेस प्रबंधन आपूर्ति को लेकर असमर्थता जता चुका है। इसके अलावा हनुमान चालीसा, शिव महापुराण, श्रीमद्भगतव गीता सहित कई पुस्तकों की कमी गीता प्रेस में हो गई है। इसी प्रकार भगवन्नान महात्म्य पुस्तिका की कीमत मात्र 10 रुपये है। इसकी खासियत यह है कि श्रीराम के भक्त 28,860 बार श्रीराम का नाम लिख उन्हें स्मरण का सकते हैं। गीता प्रेस से भगवन्ननाम माहात्मय पुस्तक की पांच करोड़ से अधिक प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं।

केंद्रीय खेल व सूचना प्रसारण मंत्री ने अनुराग ठाकुर ने गीता प्रेस में तीन लाख आरती संग्रह पुस्तकों का ऑर्डर दिया है। गीता प्रेस से मिली जानकारी के मुताबिक, अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश में इन पुस्तकों का वितरण कराएंगे। इस पुस्तक में भगवान गणेश, जगदीश्वर, माता लक्ष्मी, भगवान शिव, जानकीनाथ, श्रीकृष्ण, श्रीराधाजी, गंगाजी, हनुमानजी आदि की आरती का संग्रह है। इसके कीमत 25 रुपये है। गीता प्रेस प्रबंधक डॉ. लालमणि तिवारी ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तिथि घोषित होने के बाद से गीता प्रेस की पुस्तकों की मांग बढ़ गई है। रामचरितमानस के साथ ही भगवन्नाम महात्म्य पुस्तकें भी समाप्त हो गई हैं। अगले सप्ताह इसकी दो लाख प्रतियां प्रकाशित करने का काम शुरू करा दिया जाएगा।

चित्रकूट से चली श्रीरामचरण पादुका यात्रा पहुंची अयोध्या

संवाददाता–अयोध्या। श्रीराम चरण पादुका यात्रा अयोध्या के रामकथा पार्क पहुँची । यात्रा मकर संक्रांति (15 जनवरी) को चित्रकूट से शुरू हुई थी। भरतकूप स्थित कुंड से कलश में जल संग्रह और पादुका पूजन के साथ यात्रा प्रारंभ हुई। यह प्रयागराज, श्रृंगवेरपुर, प्रतापगढ़ होते हुए अयोध्या पहुंची। यात्रा के साथ अवध की विभिन्न सांस्कृतिक कलाओं से जुड़े 80 कलाकार भी शामिल हुए। इस दौरान लोककलाओं से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। अयोध्या में श्रीराम पर आधारित चित्र प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। यात्रा के साथ अवधी गायन, पेंटिंग व ग्रुप के साथ सांस्कृतिक दल भी चल रहे हैं। सुल्तानपुर में स्थानीय स्तर पर फरुआही, धोबिया नृत्य से जुड़े कलाकार जुड़ेगे, जो अयोध्या के रामपार्क पहुंचेंगे। संपूर्ण यात्रा के दौरान बाबा सत्यनारायण मौर्य भी अपनी अद्भुत प्रस्तुति से हर किसी का मन मोह रहे हैं। बाबा व उनकी टीम की तरफ से श्रीराम पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। बतौर चित्रकार बाबा श्रीराम की आकृति भी बनाते हैं।

गणतंत्र दिवस पर होगी क्रास कंट्री रेस

संवाददाता–संतकबीरनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत गणतंत्र दिवस के 05 किमी पुरुष एवं महिला क्रांस कन्ट्री रेस प्रतियोगिता का आयोजन होगा। यह प्रतियोगिता 26 को प्रातः नौ बजे कांशीराम स्पोर्ट्स स्टेडियम के गेट से प्रारम्भ होकर नेदुला चौराहा होते हुए पुनः वापस स्टेडियम गेट पर समाप्त होगी। इच्छुक प्रतिभागी 26 जनवरी को सुबह 08 बजे तक कांशीराम स्पोर्ट्स स्टेडियम में उपस्थित होकर अपना पंजीकरण कराकर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

श्रीराम का जन्म और कर्म दोनों मंगलकारी

–श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय श्रीराम महायज्ञ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । श्री बाबा झुंगीनाथ धाम में 7 दिवसीय श्रीराम महायज्ञ संत सम्मेलन में व्यासपीठ से श्रीराम कथा का श्री गणेश करते हुये प्रीती पाण्डेय ने कहा कि श्रीराम का जन्म और कर्म दोनों मंगलकारी है, '' मंगल भवन, अमंगल हारी''। नर लीला के रूप में श्रीराम चन्द्र जी ने संसार को उपदेश दिया कि किस प्रकार से माता, पिता, पत्नी, भाई के साथ सम्बन्ध का निर्वाह कर अत्याचार का विना सेना के प्रतिरोध किया जाय। डॉ. अवधेश जी महाराज ने कहा कि रामचरित मानस में संसार के सभी प्रश्नों का हल निहित है। प्रयागराज और नदियों की महिमा का वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि श्रीराम कथा से जीवन सुधरता है । श्रीराम के बाल चरित का वर्णन करते हुये कहा कि परमात्मा की प्राप्ति के लिये युगो तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। जब–जब संसार में अधर्म की वृद्धि होती है ईश्वर विविध रूप में अवतार लेकर मनुष्य को सद्मार्ग दिखाते हैं। कहा कि परमात्मा सत्कर्म में सहायक होते हैं। ईश्वर की धर्म मर्यादा का उल्लंघन करने पर भक्ति सफल नहीं हो सकती। परमात्मा स्वयं कहते हैं तप और विद्या अति उत्तम है, उसे यदि विनय, विवेक का सहारा न मिले तो व्यर्थ है। यदि भक्ति शुद्ध है तो ज्ञान और वैराग्य दौड़े–दौड़े आयेंगे।

मुख्य यजमान ध्रुवचन्द्र पाठक ने विधि विधान से आचार्यों का पूजन किया। डॉ. मुन्नी लाल शुक्ला , डॉ पवन शुक्ला , रामनिहोर चौधरी , रंजित गिरी, आदित्य नारायण पाण्डेय, बब्बू तिवारी, अजय पाठक, शुभम् पाठक, रंजना पाठक, अतुल पाण्डेय , सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता उपस्थित रहे।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2023–545 दिनांकः 20.01.2024

–: ई–निविदा सूचना :–

निम्न कार्यो हेतु मण्डी परिषद एवं सरकारी विभागों/कार्यदायी सस्थाओं मे पंजीकृत (लो०नि०वि० आर०ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, यू०पी०पी०सी०एल०) में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारी/फर्म से अलग–अलग तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–टेण्डरिंग के माध्यम से दिनाक 06.02.2024 को आनॅलाइन निविदायें आमन्त्रित की जाती है, ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनाक 23.01.2024 को अपरान्ह 12.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। जो उसी दिन निविदादाता, ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों (यदि उपस्थित हुए) के समक्ष दिनांक 06.02.2024 को अपरान्ह 12:05 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आनॅलाइन खोली जायेगी। निविदा की तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने पर वित्तीय विड खोली जायेगी ।

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैद्यता	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेण जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1		3	4	5	6	7	8		9
30	शोहरतगढ़	न0सं0मार्ग खुनवा शोहरतगढ़ मुख्य मार्ग से रमवापुर तिवारी गॉव तक। 2023_RKUMP_872743_1	46.75	4.35	8300.00	04	90	''स''	अ, ब, स,
31	शोहरतगढ़	न0सं0 मार्ग सेहूणी से पलिया सिसवा तक। 2023_RKUMP_872744_1	39.68	4.00	7100.00	03	90	''द''	अ, ब, स, द

नोटः–

(1) धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग–अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

(2) निविदादाता द्वारा अपलोड किये गये प्रपत्रों में से यदि कोई भी प्रपत्र फर्जी पाया जाता है तो ऐसे निविदादाता द्वारा मण्डी परिषद के खाते में जमा जमानत धनराशि को मण्डी परिषद के खाते में जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

(3) मण्डी परिषद मुख्यालय के आदेश पत्राक मु0अभि0ग्रेड–2/(1168)/भाग–4/2005) /2022–641 दिनांक 11.08.2022 एवं पत्रांक 217 दिनांक 29.05.2023 एवं परिषद पत्रांक 487 दिनांक 11.07.2023 के अधीन 'अ' एव 'ब' श्रेणी मे मण्डी परिषद के अतिरिक्त अन्य सरकारी विभागों/कार्यदायी संस्थाओं (लो०नि०वि०, आर0ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, यू०पी०पी०सी०एल०) में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार निर्धारित नियमों के अनुरूप ही प्रतिभाग कर सकेंगे। पी0डब्लू0डी0, आर0ई०डी०, यू०पी०आर०एन०एन०, व यू०पी०पी०सी०एल०) 'अ' श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार ''अ'' व ''ब'' श्रेणी के कार्य में तथा ''ब'' श्रेणी में पंजीकृत फर्म ''ब'' श्रेणी के कार्य की निविदा में प्रतिभाग कर सकते है। अन्य श्रेणी के कार्यो में प्रतिभाग करने पर निविदा प्रथम दृष्टया निरस्त कर दी जायेगी।

(4) अन्य सरकारी विभागों मे पंजीकृत ठेकेदारों की निविदा प्रथम न्यूनतम आती है तो उन्हें मण्डी परिषद में पंजीकरण कराना होगा तथा अनुबन्ध गठन के समय 10 प्रतिशत अतिरिक्त धरोहर धनराशि जमा करनी होगी।

(5) विस्तृत नियम व शर्तें आनॅलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

उप निदेशक (निर्माण)

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0 C 202317000000553
अदालत–श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती सुनीता देवी
बनाम
शमशुलहक आदि
1. शमशुलहक 2. समसुद्दीन 3. माजिद अली पुत्रगण फत्ते मोहम्मद साकिनान बेलहरकला तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 14–02–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 14 महीना 02 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 19 माह 01 सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती खलीलाबाद जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 128/2023
सदरे आलम –सायल
1. सदरे आलम उम लगभग 62 साल 2. शोहनूर आलम उम्र लगभग 50 साल पुत्रगण स्व0 मो0 सिद्दीक साकिन मौजा कराहपिठिया तप्पा कोरऊ परगना परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 22–02–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 22–02–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा। अलमरकूम 20 माह 01 सन 2024 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0
अदालत–श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी बस्ती जिला–बस्ती
महेन्द्र प्रसाद
बनाम
रामसागर
1. रामसागर 2. पहलवान पुत्रगण भगौती 3. रामयश 4. जनार्दन 5. श्री प्रकाश पुत्रगण उमापति 6. दिनेश 7. सुबास 8. श्रीकृष्ण 9. शत्रुघ्न पुत्रगण फूलेन्द्र 10. इन्द्रावती पत्नी फूलेन्द्र साकिनान मौजा शुकुलपुरा तप्पा ऊॅजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 23–01–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 23 महीना 01 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 04 माह 01 सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती खलीलाबाद जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 05/2024
निरहा देवी –सायलान
1. निरहा देवी उम्र 75 वर्ष पत्नी स्व0 विजयी प्रसाद 2. राज कुमार उम्र 46 वर्ष पुत्र स्व0 विजयी प्रसाद साकिनान मौजा गोनार तप्पा जगन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 01–03–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 01–03–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा। अलमरकूम 20 माह 01 सन 2024 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सि0नि0सं0 31/2022
घोलई
बनाम
नकछेद आदि
1/8 पूनम उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्री स्व0 नकछेद ग्राम बड़ेरिया बाबू तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 19–02–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 19 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com